सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 235 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 08 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ की बेटी चारु को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित, असाधारण प्रतिभा को मिलेगी पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बेटी तिल्दा निवासी चारु पांडेय को आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह में उन्हें महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया जाएगा। चारु ने महज 23 वर्ष की आयु में चारु ने एक या दो नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की 19 प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। चारु की इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी।

चारु पांडेय, शासकीय शिक्षक प्रवीण कुमार पांडेय और गृहिणी सुधा पांडेय की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा तिल्दा के एक निजी स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने हेमचंद महाविद्यालय दुर्ग से गणित विषय में स्नातक (B.Sc.) की डिग्री हासिल की। चारु की यह ऐतिहासिक उपलब्धि यह साबित करती है कि यदि लक्ष्य के प्रति सच्ची निष्ठा हो, तो छोटे शहरों की बेटियां भी बड़े से बड़े सपनों को साकार कर देशभर में अपनी अमिट पहचान बना सकती हैं।

इन परीक्षाओं में लहराया परचम

चारु पांडेय ने अपनी कड़ी मेहनत के बल पर देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली कई परीक्षाओं को क्रैक किया है। उनके द्वारा पास की गई प्रमुख परीक्षाओं में SSC CGL, SSC CHSL, SSC MTS, SSC GD, SSC CPO, IBPS PO, SBI, दिल्ली पुलिस, छत्तीसगढ़ सब-ईस्पेक्टर, ट्रांसपोर्ट सब-इंस्पेक्टर और CG NHM जैसी कुल 19 प्रतिष्ठित परीक्षाएं शामिल हैं।

CAG चेन्नई में दे रही हैं सेवाएं

लगातार इतनी सारी सरकारी परीक्षाओं में शीर्ष पायदान पर सफलता हासिल करने के बावजूद चारु ने अपने अनुशासन को कभी टूटने नहीं दिया। वे वर्तमान में मई 2025 से भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के चेन्नई कार्यालय में असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर के महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। चारु पांडेय ने कहा लगन और मेहनत से पढ़ाई करने से सफलता जरूर मिलती है।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में गरज-चमक के साथ होगी बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई है। इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है। हालांकि तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन दर्ज नहीं किया गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान रायपुर (माना) में 42.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंड्रा रोड में 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

एक लाख का इनामी भानु प्रताप सिंह एसटीएफ मुठभेड़ में ढेर

प्रयागराज। एसटीएफटीम ने रविवार देर रात अयोध्या के महाराजगंज थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश व कॉन्ट्रैक्ट किलर भानु प्रताप सिंह को मार गिराया। घायल अवस्था में उसे मेडिकल कॉलेज अयोध्या लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि भानु प्रताप सिंह मूल रूप से गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र के विधनापार का रहने वाला था। उस पर हत्या, डकैती समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में 40 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। वह लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। सूत्रों की माने तो भानु पर विभिन्न जनपद में एक लाख रुपये, 50 हजार रुपये व 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

सीमा पर ईडी ने जब्त किए 142 करोड़ रुपए

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को धन शोधन के एक बड़े मामले में मिजोरम-म्यांमार सीमा, त्रिपुरा-बांग्लादेश सीमा और पश्चिम बंगाल में चार स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, ईडी की आइजोल सब-जोनल कार्यालय की कई टीमों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत सुबह-सुबह यह कार्रवाई शुरू की, जो अभी भी जारी है।

ऑनलाइन गेमिंग के विवाद में बेटे ने पिता और बहन की ली जान

बेंगलुरु। कर्नाटक के कोप्पल जिले से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक सेकेंड ईयर प्री-यूनिवर्सिटी छात्र ने कथित तौर पर अपने पिता और बड़ी बहन की चाकू मारकर हत्या कर दी, जबकि मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी छात्र ने खुद की गर्दन पर भी चाकू से हमला कर लिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में ऑनलाइन गेमिंग को लेकर घर में विवाद होने की बात सामने आ रही है, हालांकि असली वजह की जांच अभी जारी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लॉन्च करेंगे लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम, डिजिटल होगा भारत का बॉर्डर

■ भारत की सीमा और आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने केंद्र की पहल

नईदिल्ली। भारत की सीमा और आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में केंद्र सरकार मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में 'लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम' (LPMS) का शुभारंभ करेंगे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट बॉर्डर मैनेजमेंट के विजन को आगे बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण परियोजना मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य तकनीक के माध्यम से सीमा पार व्यापार और यात्री आवागमन को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाना है।

इस अवसर पर अमित शाह मेघालय के दावकी और त्रिपुरा के श्रीमंतपुर लैंड पोर्ट पर विकसित नई स्टेकहोल्डर आवास सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इन सुविधाओं से सीमा सुरक्षा से जुड़े कर्मियों और अन्य हितधारकों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा।

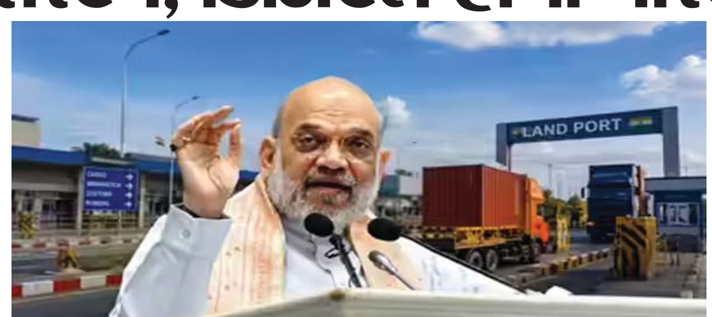

एलपीएआई को विकास और संचालन की जिम्मेदारी

गृह मंत्रालय के सीमा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत कार्यरत लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया देश के लैंड पोर्ट्स के विकास और संचालन की जिम्मेदारी संभालती है। वर्तमान में LPAI भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थित 15 लैंड पोर्ट्स का संचालन कर रही है। इनमें पंजाब के अटारी और डेरा बाबा नानक, बिहार के रक्सौल और जोगबनी, उत्तर प्रदेश का रूपईडीहा, असम का दरंगा, पश्चिम बंगाल का पेट्रापोल, मेघालय का दावकी, असम के सुतारकांडी, गोलकगंज और मनकाचर, त्रिपुरा के अगरतला, श्रीमंतपुर और सबरूम तथा मणिपुर का मोरेह शामिल हैं। केंद्र सरकार का मानना है कि LPMS का शुभारंभ भारत में आधुनिक और तकनीक-संचालित स्मार्ट बॉर्डर मैनेजमेंट की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। इससे व्यापार सुविधा, क्षेत्रीय संपर्क, राष्ट्रीय सुरक्षा और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को गति मिलने की उम्मीद है।

लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम

लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम एक अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे देश के सभी लैंड पोर्ट्स की गतिविधियों को एकीकृत करने के लिए तैयार किया गया है। यह प्रणाली लॉजिस्टिक्स और नियामक सूचनाओं के सुरक्षित एवं रियल-टाइम आदान-प्रदान को संभव बनाएगी, जिससे लैंड पोर्ट्स की कार्यप्रणाली हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों की तरह आधुनिक और डिजिटल हो सकेगी। सरकार के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म सरकारी एजेंसियों और निजी ऑपरेटरों सहित सभी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा। इससे प्रक्रियाओं में देरी कम होगी और संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। LPMS के जरिए कार्गो और यात्रियों की आवाजाही से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाएगा, जिसमें स्लॉट बुकिंग, भुगतान, ट्रैकिंग और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह प्रणाली ICEGATE, ULIP और मोटर वाहन इकोसिस्टम से भी जुड़ी होगी, जिससे सीमा प्रबंधन अधिक पारदर्शी, कुशल और इंटरऑपरेबल बन सकेगा।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, 4 की मौत और 200 घायल

■ तटीय इलाकों में सुनामी का अलर्ट

वर्ल्ड डेस्क। फिलीपींस सोमवार की सुबह भूकंप के झटकों ने तबाही मचाई। देश के दक्षिणी हिस्से मिंडानाओ में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया जिसके कारण कई भवन ढह गए। बताया जा रहा है कि इस भूकंप के कारण 3 लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हो गए है। वहीं तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई है। भूकंप के खतरे के कारण लोग घरों से बाहर निकल गए औ मैदानी इलाकों की ओर रवाना हो गए।

फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप पर जनरल सैंटोस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया।

भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। स्थानीय पुलिस के अनुसार भूकंप में 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 लोग घायल हैं। भूकंप से 37 इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इनमें ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और कारोबारी बिल्डिंग्स हैं।

पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है। फिलीपींस के ज्वालामुखी एवं भूकंप विज्ञान संस्थान ने चेतावनी दी है कि प्रभावित तटीय क्षेत्रों में सामान्य ज्वार स्तर से एक मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

रसोई गैस के 50 हजार कनेक्शन होंगे निलंबित

विभाग कर रहा डाटाबेस से मिलान, उपभोक्ताओं की बढ़ेगी मुश्किलें

नईदिल्ली। आपके घर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की आपूर्ति के साथ एलपीजी कनेक्शन भी है तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर पूर्ति विभाग ने दोहरे कनेक्शन वाले 50 हजार से अधिक उपभोक्ताओं का एलपीजी कनेक्शन निलंबित करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए पीएनजी और एलपीजी दोनों के डाटाबेस का आधार कार्ड से मिलान किया जा रहा है।

इसके साथ ही जिले में नए पीएनजी कनेक्शन देने का काम भी तेज कर दिया गया है। जिलापूर्ति अधिकारी (डीएसओ) आनंद कुमार ने बताया कि जिले में कुल 87 गैस वितरक हैं और करीब 13.57 लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं। इनमें 3.40 लाख लाभार्थी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के हैं। वहीं, शहर में 75 हजार से अधिक पीएनजी उपभोक्ता भी हैं। जांच में सामने आया है कि इनमें से 50 हजार से अधिक लोगों ने पीएनजी के साथ-साथ एलपीजी कनेक्शन भी चालू रखा है और वे सिलिंडर भी ले रहे हैं।

पूर्व में मंत्रालय ने ऐसे उपभोक्ताओं से अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने की अपील की थी, जिन्होंने ऐसा नहीं किया है, अब उनके एलपीजी कनेक्शन सीधे तौर पर निलंबित कर दिए जाएंगे। एलपीजी कनेक्शन को पूरी तरह निरस्त करने के बजाय निलंबित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग के 165 अफसर कर्मचारियों का तबादला, इन जिलों को मिले नए जिला परिवहन अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारू बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। परिवहन आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार विभाग के 165 अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर किया गया है। तबादला सूची में परिवहन निरीक्षक, परिवहन उपनिरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक स्तर के कर्मचारी शामिल हैं।

जारी आदेश के अनुसार 46 परिवहन निरीक्षकों, 50 परिवहन उपनिरीक्षकों, 16 सहायक उपनिरीक्षकों, 35 प्रधान आरक्षकों और 18 आरक्षकों की नई पदस्थापना की गई है। विभाग ने इस व्यापक फेरबदल को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया है। अधिकारियों के अनुसार इस बदलाव से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी और कार्यकुशलता में सुधार आएगा। परिवहन विभाग ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

टीएमसी नेता जहांगीर खान को एसटीएफ ने दबोचा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार रहे जहांगीर खान को राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल की तरफ से गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, चुनावी हिंसा के आरोपी जहांगीर लंबे समय से फरार थे और मतदान के दौरान पुलिस को खुली चुनौती देकर चर्चा में आए थे। पुलिस के मुताबिक, उत्तरी बंगाल में भारत-नेपाल सीमा के पास टीएमसी नेता जहांगीर खान को जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मामले में पुलिस ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के नेता जहांगीर खान को

सोमवार को उत्तरी बंगाल में भारत-नेपाल सीमा के पास जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 26 मई को जहांगीर खान को दी गई अंतरिम सुरक्षा रद्द कर दी थी। उनके खिलाफदक्षिण 24 परगना जिले के फलता पुलिस स्टेशन में सात एफआईआर दर्ज की गई थीं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'जहांगीर खान को उत्तरी बंगाल के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।' हालांकि, पुलिस ने गिरफ्तारी के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

बलरामपुर में अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

■ अवैध उत्खनन मार्ग ध्वस्त, दो वाहन जब्त

रायपुर। बलरामपुर जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने वाड्रफनगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध उत्खनन के लिए उपयोग किए जा रहे मार्ग को अवरुद्ध कर दिया तथा अवैध परिवहन में संलिप्त दो वाहनों को जब्त किया।

खनिज अधिकारी राहुल गुलाटी के नेतृत्व में ग्राम कैलाशपुर स्थित मोरन नदी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध खनन के लिए बनाए गए मार्गों को ग्रामीणों की मौजूदगी में विभिन्न स्थानों पर बंद कर नष्ट कराया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य खनिज संसाधनों के अवैध दोहन पर प्रभावी रोक लगाना और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है।

अभियान के दौरान रेत एवं पत्थर का अवैध परिवहन करते पाए गए दो ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहनों को पुलिस चौकी वाड्रफनगर एवं थाना बसंतपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बलरामपुर जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

डेब्यू टेस्ट में चमके मानव सुथार, पहले ही मैच में फाइव विकेट हॉल पूरा करने वाले 10वें भारतीय

मुल्लांपुर। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मानव सुथार ने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में ही चमक बिखेरी और वह फाइव विकेट हॉल पूरा करने में सफल रहे। मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफखेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन सुथार ने यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की। मानव सुथार की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने अफगानिस्तान की पहली पारी 152 रन पर ढेर कर दी है। भारत ने पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन पर घोषित की थी। इस तरह भारत को 412 रनों की बड़ी बढ़त हासिल हुई है। भारत ने अफगानिस्तान को फॉलोऑन देने का फैसला किया है जिसके बाद टीम दूसरी पारी में खेलने उतरी।

भारत ने पहली पारी में दमदार बल्लेबाज किया था। भारत की ओर से कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाए थे। वहीं, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर ने अर्धशतक लगाए थे। अफगानिस्तान की टीम भारत को ऑलआउट नहीं कर सकी थी और टीम इंडिया ने दूसरे दिन चायकाल से पहले पारी घोषित करने का फैसला किया था।

अफगानिस्तान की पहली पारी तीसरे दिन पहले सत्र में ही ढेर हो गई। अफगानिस्तान के लिए सिर्फ रहमत शाह ने 60 रन की पारी खेली। अन्य बल्लेबाज फ्लॉप रहे। भारत की ओर से डेब्यू कर रहे मानव सुथार ने छह विकेट झटके। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा को तीन और वाशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला।

मानव ने अफगानिस्तान के खिलाफपहली पारी में 33 रन देकर छह विकेट लिए जो किसी भारतीय गेंदबाज का टेस्ट डेब्यू पर पहली पारी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह रिकॉर्ड नरेंद्र हिरवानी के नाम है जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफअपने टेस्ट डेब्यू की पहली पारी में 61 रन देकर आठ विकेट लिए थे।

संपादकीय

प्रतिरोध के तेवर

कॉकरोच पार्टी के मुद्दों पर विचार की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं।

> "सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है।

राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन ज़ी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

छोटी चीजों से आनंद और सुख की प्राप्ति

संदीप खामेश्रा

अक्सर हमारे आम व्यवहार में यह सुनने को मिलता है-लीजिए यह मिठाई खाइए! नहीं-नहीं 'मन' नहीं है! फिक्र चलते हैं। आज 'मन' नहीं है! या आज बाहर जाकर खाने का खूब 'मन' कर रहा है! गौर कीजियेगा, मन का अर्थ इच्छा से है। इच्छा, कामना, चाह यह सब 'मन' ही हैं। ये नहीं तो 'मन' भी नहीं है!! कामना ही कर्म की ओर प्रेरित करती है। कामनाएं असंख्य हो सकती हैं। देश, काल और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती हैं। स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो बाहर जाकर खाने की कामना नहीं उठ सकती। कोई काम बिगड़ गया तो महफिल में जाने की चाह नहीं हो सकती!

इच्छाओं पर दृष्टि बनी रहे और सार्थक निरर्थक का भेद करना आ जाए, तो जीवन का कल्याण संभव है। अन्यथा, मनुष्य तो ताउम्र इनका गुलाम ही बना रहेगा। कामनाओं से मुक्ति यानी 'मन' की समाप्ति। और यही दशा परम-मुक्ति की आधारशिला बन सकती है। जीते जी परम मुक्ति! मरने के बाद, इस जीवन के संग्रहणों या बाधाओं से तो मुक्ति सभी को मिल ही जाती है। यह कोई विशेष उपलब्धि नहीं हो सकती! कुछ बहुत मौलिक जरूरतों के बीच ही लालसाएं पैदा होती हैं। इन लालसाओं का कोई अंत नहीं होता! एक कामना-खूब पैसा हो यानी जमीन-जायदाद, सोना-चांदी और बहुतायत में भोग सामग्री। दूसरी, नाम, सम्मान, प्रतिष्ठा की। ख्याति ऐसी हो कि बच्चे-बड़े सभी आदर की दृष्टि से देखें। घर में सुख-शांति हो, सभी प्रसन्न रहें यह तीसरी ख्वाइश! शरीर स्वस्थ रहे, निरोगी हों। इससे अधिक मानव क्या चाहता है? इन्हीं कामनाओं के छोटे या विकराल और वीभत्स रूप ही तो परिलक्षित होते हैं।

आत्मोपलब्धि का मार्ग भी मन के रास्ते होकर ही गुजरता है। संसार में रमणातीत मानव स्वभाव अधिकांशतः यह कामना करता ही नहीं। करता भी है तो आधी-अधूरी। क्योंकि बहुत गहरे तो सांसारिक भोग की लिप्तता और लगातार पाते रहने की आकांक्षा ही उसे सुहाती है। इसलिए, बिना मन के किए गए समस्त आध्यात्मिक प्रयास विफल हो जाते हैं! कई स्मार्ट लोग अध्यात्म को भी सांसारिक चाहतों की पूर्ति से 'लिंक' कर देते हैं। नियमित पूजा-पाठ, सत्संग, मंदिर दर्शन, ध्यान और भक्ति को वे आत्मकल्याण के लिए नहीं, सांसारिक उपलब्धियों की प्राप्ति के उपक्रम की तरह इस्तेमाल करते हैं। धर्म का सहारा लेकर भी वे अपनी कर्मभूमि में अधार्मिक कार्यों में ही संलग्न रहते हैं। भ्रम यह रखते हैं कि अंत में दोनों समायोजित हो जाएंगे!

एक से अनेक हो जाने की एक तीव्र इच्छा से ईश्वर अनेक रूपों में अभिव्यक्त हो गए। बस, एक तीव्र इच्छा ही तो कुंजी है। धर्म के मार्ग पर चलने वाले श्रमण केवल एक ईमानदार और तीव्र इच्छा करें-आत्मोपलब्धी (परमात्मा प्राप्ति) की! शेष कार्य, यह इच्छा (मन) ही पूरा कर देगी। स्वयं को स्वयं से मिलाने का मार्ग मन ही निर्मित करता है। मजे की बात यह भी है कि यह मिलन करा देने के पश्चात मन विदा हो जाता है। मन की यह विदाई ही मुक्ति में परिवर्तित हो जाती है। मानव स्वभाव इच्छाओं के बारे में भी स्पष्ट नहीं है। उसे वाकई चाहिए क्या, इस पर ही वह भ्रमित है। दिखाता कुछ और है, लेकिन भीतर चाहतें कुछ अलग भूचाल मचाती हैं। संतुष्टि का स्वांग अवश्य करता है, लेकिन मरते दम तक कामनाओं के विकास में ही लगा रहता है। चाहतों की प्राथमिकता क्या हो, इतना भी ज्ञान नहीं, लेकिन समझता स्वयं को बड़ा बुद्धिमान है।

पहला सुख निरोगी काया। प्राथमिकता की फेहरिस्त में यह अव्वल स्थान पर हो। रोगी और अस्वस्थ शरीर आत्मोपलब्धी के मार्ग में बड़ी बाधा पैदा कर सकता है। हां, एक बार उपलब्ध होने के उपरांत शारीरिक दुर्बलता मायने नहीं रखती, क्योंकि तदोपरांत आप शरीर के तल से ऊपर उठकर आत्मा के तल पर जी रहे होते हैं। लेकिन इस भूमिका तक पहुंच पाने के लिए शारीरिक तप और श्रम चाहिए, जो दुर्बलता से संभव नहीं है। स्वस्थ शरीर संयम और समय दोनों मांगता है। भागमभाग भरी जिंदगी में ज्यादातर के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा। संभव होना मुश्किल भी नहीं है, बस प्राथमिकता में नहीं है!

लोगों की दूसरी प्राथमिकता है वित्तीय सुरक्षा। यहां बड़ा भारी पेच है! इसकी पूर्ति कभी पूरी होती ही नहीं, और समय रीत जाता है। सौ वर्षों की आयु तक हद से हद कितने रुपयों की आवश्यकता हो सकती है, यह गणित लगानी है। यह उतना मुश्किल भी नहीं है! मोटा-मोटी इसकी आपूर्ति सुनिश्चित होने के उपरांत, मानव जीवन के अन्य बड़े उद्देश्यों में स्वयं को खपाना चाहिए। भक्ति, सेवा, साधना या आत्मोथान। कोई भी मार्ग, जिससे 'मैं' यानी अहंकार के गलने की प्रक्रिया प्रारंभ हो सके!

बहुत छोटी-छोटी चीजों से आनंद और सुख की प्राप्ति हो जाती है। लेकिन, हमारी दृष्टि बड़ी चाहतों की आपूर्ति में लगी होने से छोटी खुशियों को लगभग नजरअंदाज कर देती हैं। चीजें ही क्यों, प्रेम, त्याग और समर्पण के सहारे भी संपूर्णता तथा आनंद की अनुभूति हो जाती है। महत्व केवल दृष्टि का है। हम देखना क्या चाहते हैं और महत्वपूर्ण आयामों को देखकर भी कितना अनदेखा कर जाते हैं! इच्छाओं के प्रति जागृति और कुछ महत्ती आध्यात्मिक इच्छाओं को पाने की भीतरी तड़प, बस इतना काफी है 'मन' के लिए। हाथ पकड़ कर नैय्या पार करा देगा!

ये आकाशवाणी है: भारत की सामूहिक स्मृति की आवाज

उमेश चतुर्वेदी

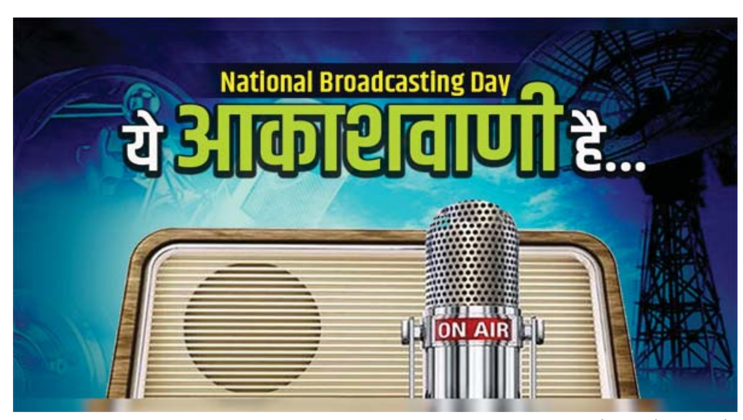

आकाशवाणी के इतिहास में जून की दो तारीखों का विशेष महत्व है। तीन जून के दिन आकाशवाणी के जरिये देश के इतिहास ने करवट ली थी, जबकि दिल्ली के अलीपुर इलाके के अस्थायी दफ्तर में आठ जून, 1936 को आकाशवाणी की शुरुआत 'ऑल इंडिया रेडियो' के रूप में हुई थी। भारतीय प्रसारण की ठोस बुनियाद रखने का श्रेय बीबीसी के पूर्व अधिकारी लायनेल फील्डन को जाता है, जिन्हें इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने भारत बुलाकर एक जनवरी, 1936 को प्रसारण नियंत्रक के पद पर तैनात किया। उनकी ही अगुआई में दिल्ली के अलीपुर के पांच कमरों के एक अस्थायी दफ्तर से आठ जून, 1936 को आकाशवाणी का प्रसारण शुरू हुआ। तब से लेकर तीन मई, 2023 तक ऑल इंडिया रेडियो के नाम से जाना जाता रहा। फिर आधिकारिक रूप से इसका नाम केवल आकाशवाणी कर दिया गया।

इसके नाम के बारे में लायनेल फील्डन ने अपनी पुस्तक नेचुरल बेंट में लिखा है कि उन्हें इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस नाम नहीं जम रहा था। एक समारोह में लायनेल ने इस नाम को लेकर उनसे चर्चा की। तब तक देश में 'गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट' आ चुका था। लायनेल की राय थी कि इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग नाम इस अधिनियम के अनुरूप नहीं है, लिहाजा चर्चा के बाद नया नाम दिया गया, ऑल इंडिया रेडियो। इसी ऑल इंडिया रेडियो को आकाशवाणी के नाम से भी जाना जाता है। यह नाम महान गीतकार पं. नरेंद्र शर्मा ने 1956 में दिया था। रेडियो के लिए आकाशवाणी शब्द का प्रयोग 1939 में रवींद्रनाथ टैगोर ने भी किया था। पहले आकाशवाणी पर शुरू में गीत-संगीत के लिए शास्त्रीय कलाकार नहीं आते थे, तवायफें और उनके संगतकार ही आते थे। रेडियो पर हारमोनियम पर प्रतिबंध था, जिसे 1970 में हटाया गया। आकाशवाणी को क्लासिकल बनाने में सूचना और प्रसारण मंत्री वी बी केसकर और आकाशवाणी के तत्कालीन महानिदेशक, प्रसिद्ध लेखक एवं आईसीएस अधिकारी जगदीश चंद्र माथुर की जोड़ी का बड़ा योगदान रहा। केसकर ने आकाशवाणी पर स्तरीय शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के प्रयास किए। तब रेडियो से हर भाषा के लेखकों को जोड़ा गया, जिससे रेडियो की भाषा को स्तरीय बनाने की कोशिशें हुईं।

तीन जून, 1947 की सांझ आकाशवाणी के जरिये ही दुनिया को देश के बंटवारे का संदेश दिया गया था। स्वाधीनता के समय नौ रेडियो केंद्र थे। बंटवारे के बाद तीन पाकिस्तान को मिले, जबकि छह भारत के पास रह गए। देश के पहले सूचना और प्रसारण मंत्री सरदार पटेल ने रेडियो का महत्व समझते हुए उसके तेज विकास की नींव रखी। भारत में रेडियो पर पहली न्यूज बुलेटिन 19 जनवरी, 1936 को प्रसारित हुई। सवाल है कि जब ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना ही आठ जून, 1936 को हुई, तो उसके छह महीने पहले न्यूज बुलेटिन की शुरुआत कैसे हुई। दरअसल, इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कंपनी प्रायोगिक तौर पर प्रसारण जारी रखे हुए थी। आज आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग 82 भाषाओं और बोलियों में रोजाना लगभग 510 से ज्यादा बुलेटिन प्रसारित करता है।

आकाशवाणी ने खेती-किसानी को सहयोग देने के लिए 1965 में अलग से फॉर्म एंड होम यूनिट शुरू की, जिसके जरिये खेती की जानकारी के साथ ही लोकगीत आदि प्रसारित होने लगे। 1962 के युद्ध के वक्त जवानों में जोश भरने के लिए शुरू जयमाला कार्यक्रम की पहली प्रस्तोता नरगिस दत्त रहीं। बाद में लता, आशा और मुकेश जैसी हस्तियों ने भी इसे प्रस्तुत किया।

रेडियो की कुछ आवाजों का जिक्र न हो तो कहानी पूरी नहीं हो सकती। मेल्विल डी मेलो की बुलंद आवाज ने 1948 में महात्मा गांधी की अंतिम यात्रा का लगातार सात घंटे तक कमेंट्री करके इतिहास रचा था। देवकी नंदन पांडे और रामानुज प्रसाद सिंह की गंभीर व सधी हुई आवाजें समाचारों की विश्वसनीयता का पर्याय बनीं। महिला समाचार वाचकों में विनोद कश्यप को 'बुलंद आवाज' और बेबाकी के लिए जाना जाता है। जसदेव सिंह, विजय डैनियल्स और सुशील झवेरी जैसे दिग्गजों की आवाज भी आकाशवाणी की पहचान रही। जम्मू-कश्मीर पर कबायली हमलों के बाद आकाशवाणी के जरिये ही पंडित नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की थी। गांधीजी सिर्फएक ही बार, 12 नवंबर, 1947 को आकाशवाणी आए और यहां से उन्होंने कुरूक्षेत्र आदि में स्थित पाकिस्तानी शरणार्थियों को संबोधित किया, जिसका सकारात्मक असर पड़ा था। फिर गांधी भी रेडियो के मुरीद हो गए थे।

मेडिकल शिक्षा में आमूल-चूल सुधार की जरूरत

दिनेश सी शर्मा

भारत का मेडिकल शिक्षा क्षेत्र पूरी तरह से गड़बड़ाया हुआ है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने हाल ही में पेपर लीक होने के बाद राष्ट्रीय प्रवेश एवं योग्यता परीक्षा (नीट) को रद्द कर दिया, जिसका आयोजन उसने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए किया था। पिछले साल जुलाई में, सीबीआई ने बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार घोटाले का पर्दाफ़ाश किया था, जिसमें कथित तौर पर कई मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य मंत्रालय के कई अधिकारी और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अधिकारी शामिल थे। ये घटनाएं संपूर्ण मेडिकल शिक्षा की शुचिता और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता पर इसके असर को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। इस क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव की ज़रूरत है, न कि सिर्फ़ छोटे-मोटे सुधारों की।

भारत में डॉक्टर बनना मुश्किल प्रक्रिया है। छात्रों को मेडिकल सीट पाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। हाल के वर्षों में सीटों की संख्या में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है- फ़िलहाल 800 कॉलेजों में कुल 1,28,000 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। सरकार की योजना के अनुसार, अगले तीन वर्षों में 50,000 और अंडरग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट सीटें जोड़ी जाएंगी। फिर भी, प्रतिस्पर्धा काफ़ी ज़्यादा है। रद्द किए गए पिछले नीट में लगभग 22 लाख बच्चों ने हिस्सा लिया था। चयन होने पर, छात्र को मेडिकल कॉलेज में साढ़े पांच वर्ष का प्रशिक्षण व उसके बाद एक और प्रवेश परीक्षा पास करने पर, रेजिडेंसी प्रोग्राम में तीन साल की विशेषज्ञता हासिल करनी होती है।

चूंकि मौजूदा व्यवस्था में एडमिशन के लिए नीट स्कोर ही एकमात्र मापदंड है, इसलिए इस परीक्षा की निष्पक्षता बहुत अहम है। मौजूदा गड़बड़ी के बाद चली बहस में ध्यान का केंद्र एनटीए और इस व्यवस्था की ईमानदारी सुनिश्चित करने पर है। सुझाए गए विभिन्न तकनीकी एवं भौतिक उपायों में कंप्यूटर-आधारित परीक्षा, 'जस्ट-इन-टाइम' एन्क्रिप्टेड प्रश्न पत्र जैसी सुरक्षा प्रणालियां, प्रश्न पत्रों के अनेक सेट और एआई-आधारित रैंडम प्रश्न चयन अपनाना शामिल हैं। साल 2024 में नीट घोटाले के बाद गठित राधाकृष्णन समिति ने भी परीक्षा को निष्पक्ष बनाने को कई सिफ़ारिशें की थीं। ऐसे त्वरित तकनीकी समाधान और परीक्षा पत्रों की भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय शायद अल्पकाल के लिए मददगार साबित हो सकें। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में बुनियादी

ढांचागत बदलाव करने की ज़रूरत है। कई देशों में अपनाई जाने वाली समग्र मूल्यांकन प्रणाली के उलट भारत में मेडिकल ट्रेनिंग के सभी स्तरों पर प्रवेश मानकीकृत कर दी गई परीक्षा द्वारा तय किया जाता है। मेडिकल ट्रेनिंग के लिए स्कोर आधारित प्रवेश छात्रों की पात्रता का आकलन करने का सर्वोत्तम ढंग नहीं; यह कई मायनों में असमान है। नीट को सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के पाठ्यक्रम के साथ-साथ कुछ ऐसे विषयों के आधार पर तैयार किया गया है जो स्कूल के सिलेबस से बाहर के हैं। जो बच्चे राज्य बोर्ड के सिलेबस वाले गैर-सीबीएसई स्कूलों से आते हैं उन्हें स्वाभाविक रूप से नुकसान होता है।

यहां तक कि सीबीएसई स्कूलों से आने वाले छात्र भी पूरी तरह तैयार नहीं होते, क्योंकि कुछ ऐसे विषय होते हैं जो स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल ही नहीं। इस अंतर को पूरा करने के लिए, दोनों श्रेणी के छात्रों को नीट के लिए किसी न किसी किस्म की तैयारी करनी पड़ती है। इसी वजह से कई अरब डॉलर का कोचिंग उद्योग खड़ा हो गया है। यह अनेक छात्रों के लिए एक और बड़ी बाधा है, क्योंकि हर कोई कोचिंग की ऊंची फीस नहीं दे सकता। यदि वे राज्य शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम वाले स्कूलों से आते हैं और गैर-अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से हैं, उनके लिए तो दोहरा नुकसान है। शुरुआत के लिए, प्रवेश प्रक्रिया विकेंद्रीकृत की जाना जरूरी है। अलग-अलग शिक्षा प्रणालियों और क्षेत्रीय असमानताओं वाले देश के लिए नीटजैसा 'एक साइज़ सबके लिए' वाला ढंग प्रभावी नहीं। इस किस्म की मानकीकृत मूल्यांकन परीक्षा में सीखने के अलग-अलग माहौल और छात्रों की पृष्ठभूमि को ध्यान में नहीं रखा गया। इसके अलावा, एक केंद्रीकृत प्रणाली में घोटालों, हेरफेर और पेपर लीक की गुंजाइश अधिक होती है, जैसा कि 2024 व 2026 में देखा गया।

राज्यों को स्थानीय कारकों के आधार पर प्रवेश के लिए अपनी प्रक्रिया तय करने दें, वे जो भी प्रक्रिया चुनें, उसकी जवाबदेही और पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो। चाहे सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए हाई स्कूल के अंकों और प्रवेश परीक्षा स्कोर पर आधारित मिली-जुली प्रणाली हो, या निजी कॉलेजों के लिए अलग पात्रता परीक्षा हो सकती है। राज्यों के कॉलेजों में 'ऑल-इंडिया' कोटे के तहत एडमिशन के लिए अतिरिक्त मानदंड या टेस्ट हो सकते हैं।

मेडिकल एडमिशन टेस्ट की प्रकृति में भी बदलाव ज़रूरी है। फ़िलहाल, नीट मूलतः जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान वाले पाठ्यक्रम की रट्टा आधारित परीक्षा है। इसे चिकित्सा जैसे उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए तैयारी, योग्यता या शैक्षणिक क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया। जबकि छात्रों का मूल्यांकन अधिकांश उनकी आलोचनात्मक सोच-तर्कशक्ति, समस्या-समाधान कौशल के अलावा व्यावहारिक एवं सामाजिक विज्ञान की कांसेप्ट्स के आधार पर किया जाना चाहिए। पोस्ट-ग्रेजुएट सीटों के लिए भी सिर्फ प्राप्तांक आधारित प्रवेश परीक्षा होना अपर्याप्त है।

नीट का एक अवांछित दुष्प्रभाव कोचिंग उद्योग है, जो नीट-संबंधी हरेक घोटाले में हमेशा शामिल रहा। टेस्ट की प्रकृति और छात्रों की सीखने की अलग-अलग पृष्ठभूमि ने ही इस उद्योग को जन्म दिया। कोचिंग संस्थान दावा करते हैं कि एक औसत हाई स्कूल छात्र को नीट में बेहतर प्रदर्शन के लिए छठी-सातवीं कक्षा से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, जो उसके नीट परीक्षा देने से करीब सात साल पहले का समय है। इसके लिए, वे 'डमी स्कूल' और इंटरमीडिएट कॉलेज बनाते हैं, जहां छात्रों का औपचारिक एडमिशन तो होता है, लेकिन वे ज़्यादातर समय कोचिंग सेंटरों में बिताते हैं। इस प्रकार, कोचिंग उद्योग औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली को कमज़ोर कर रहा है, व बच्चों को नीट के 'ज़ॉम्बी' में भी परिवर्तित कर रहे हैं, जिससे वे हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज काल के दौरान नैसर्गिक जीवन सीखने के अनुभवों से वंचित हो रहे हैं। ऐसे बच्चे आलोचनात्मक सोच, नैतिकता और संवाद कौशल से वंचित रह जाते हैं- जो उनके कैरियर की राह में, वह जो भी हो, उनके समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य है। इसके अलावा, कोचिंग का तनाव और माता-पिता की उम्मीदें युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ रही हैं।

'डमी स्कूलिंग' इसलिए फल-फूल रही है, कि राज्य के शिक्षा विभागों ने इस पर आंखें मूंद रखी हैं। कोचिंग इंडस्ट्री को राज्य सरकारें बढ़ावा देती हैं। राजस्थान में, सरकार वंचित वर्गों के छात्रों को कोचिंग सत्र में शामिल होने के लिए आर्थिक सहायता देती है। सब्सिडी सीधे कोचिंग संस्थानों को ट्रांसफर की जाती है। तेलंगाना सरकार ने नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को स्टडी मेटीरियल और डिजिटल टूल मुहैया करवाने के लिए कोचिंग कंपनियों के साथ अनुबंध किया है। असल में, राज्य सरकारें कोचिंग इंडस्ट्री की मदद कर रही हैं ताकि सीखने की जगह रटने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा सके। हालिया नीट घोटाले ने सरकार को मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में फैली गड़बड़ियों को दुरुस्त करने व सुधार लाने का एक और मौका मुहैया किया है। इसमें शामिल संस्थान-चाहे एनटीए हो, एनएमसी या मेडिकल कॉलेज- इन्हें जवाबदेह, पारदर्शी व भ्रष्टाचार-मुक्त बनाया जाना चाहिए।

- लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के टिप्पणीकार हैं।

कहानी शिकारी के शिकार हो जाने की: जब अकबर के पास थे एक हजार से ज्यादा चीते

ये तो सभी जानते हैं कि भारत में चीते वर्ष 1947 के आसपास पूरी तरह खत्म हो गए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कभी मुगल बादशाह अकबर के पास आगरा में एक हजार से ज्यादा चीते थे, जिन्हें पालतू की तरह रखा जाता था और इनका काम शिकार में मदद करना था। आजादी मिलने के समय तक अंधाधुंध शिकार से चीते लुप्त हो गए और आखिरी एशियाटिक चीते का मध्य प्रदेश की कोरिया रियासत में शिकार किया गया। दिव्यभानु सिंह की किताब द स्टोरी ऑफ इंडियन चीताज बताती है कि हड़प्पा काल में चीते का किसी मुद्रा या मोहर पर उल्लेख नहीं है।

कुछ पाषाण शैल चित्रों पर जरूर चीते जैसी आकृति मध्य प्रदेश में देखी गई थी। चीते अफ्रीकी महाद्वीप में बहुतायत में पाए जाते हैं, वहीं प्राचीन मिस्र में इन्हें शिकार के लिए इस्तेमाल करना शुरू किया गया था। छठी-सातवीं शताब्दी में तुर्की की बाइजेन्टाइन बस्ती से मिली एक पेंटिंग में भारत को एक सांवली महिला के रूप में सिंहासन पर बैठे दिखाया गया है, उसके पैरों के पास लंगूरों का जोड़ा, अफ्रीकी तोता, बाघ व चीता है। उस काल में जानवरों का दो महाद्वीपों के बीच व्यापार होता था। पर 12वीं शताब्दी तक चीते के शिकार में इस्तेमाल का कोई उल्लेख नहीं मिलता।

चीता शब्द की उत्पत्ति भी शायद चित्ती शब्द से हुई... चित्तीदार यानी चीता। भारत में तुर्क व अफगान शासकों के आगमन के साथ ही चीते का काले हिरन के शिकार में इस्तेमाल होना शुरू हुआ। फिरोज शाह तुगलक ने तो चीते के साथ कुत्तों व जंगली बिल्ली (कराकल) का भी शिकार में इस्तेमाल किया। अकबर ने अपने 50 साल के शासनकाल में नौ हजार चीते इकट्ठा किए थे। इतिहासकार अबुल फजल ने विस्तार से लिखा है कि चीतों को जंगल से पकड़कर कैसे प्रशिक्षित किया जाता था।

बीस्ट एंड मैन इन इंडिया पुस्तक के लेखक और रुडयार्ड किपलिंग के पिता जॉन लॉकवुड ने लिखा है कि भारत में जानवरों व उनकी देखभाल करने वालों के बीच विचित्र आत्मीयता होती है, जिसका वर्णन मुश्किल है। वर्ष 1952 में भारत में चीते को विलुप्त घोषित कर दिया गया। भारतीय रजवाड़ों को शिकार इतना रोमांचकारी लगता था कि 1918 से 1945 तक चीतों को अफ्रीका से लाया जाता था। अब भले ही एक बार फिर मध्य प्रदेश के कूनो में अफ्रीका के नामीबिया से चीतों के पुनर्वास के प्रयास चल रहे हैं, पर सच तो यह है कि भारतीय चीतों की कहानी शिकारी का शिकार हो जाने की है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

श्री साईं नाथ जन सेवा समिति ने बांटे नि:शुल्क पौधे

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री सांई नाथ जन सेवा समिति द्वारा अंबेडकर चौक, पावर हाउस, भिलाई में राहगीरों एवं आम नागरिकों को नि:शुल्क 40 पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. के चिरंजीवुलू, के उमाशंकर राव, एम पापाराव, सीएच अप्पलस्वामी, जी माधव राव, अनमोल, पी भरत, एल चरण राज और धीरज कुमार आदि उपस्थित हुए।

निधन समाचार : पंडित ओम प्रकाश अवस्थी

भिलाई। नहर पार कैंप 2 प्रकाश आटा चक्की के संचालक पंडित ओमप्रकाश अवस्थी का निधन 7 जून 2026 रविवार को हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 8 जून सुबह 10 बजे रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे योगेश अवस्थी, विकास अवस्थी, अशोक अवस्थी, मनीष अवस्थी के पिता व गोमती देवी के पति थे।

जांच के लिए मरीजों को बाहर भेजने वालों की जांच होगी

भिलाई। जिला अस्पताल में सीटी स्कैन व रूटीन पैथालॉजिकल जांच की सुविधा रहते मरीज के परिजन को जांच कराने के लिए निजी सेट-अप क्यों भेजा जा रहा है, इसकी जांच की जाएगी। सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज ने जांच दल गठित कर दिया है। मरीज चांदनी साहू ने जिला अस्पताल की नाक, काल, गला रोग विशेषज्ञ पर आरोप लगाया था कि डॉक्टर के निर्देश पर उसने अपने पिता दीनू यादव की निजी डाइग्नोस्टिक से जांच कराई। लेकिन जब रिपोर्ट दिखाने गई तो डॉक्टर ने रिपोर्ट फेंक दी। दूसरे निजी डाइग्नोस्टिक सेंटर से दोबारा जांच कराकर आने पर देखने की बात कही। पूरा पैसा खर्च हो गया था, इसलिए बिना इलाज वह घर लौट गई।

जिला अस्पताल के ओटी में बर्थडे पार्टी, फोटो वायरल

भिलाई। रविवार को जिला अस्पताल के मदर चाइल्ड यूनिट के ऑपरेशन थिएटर में हुई एक कथित बर्थडे पार्टी का फोटो वायरल हो गया। सिविल सर्जन डॉ. आशीषन कुमार मिंज ने वायरल फोटो के आधार पर पार्टी में शामिल सभी डॉक्टर व स्टॉफको कारण बताओ नोटिस जारी करने दावा किया है। विशेषज्ञों का कहना कि ओटी में हर पल इंफेक्शन का खतरा होता हैं, वहां घरेलू ड्रेस में पहुंचना और बर्थ-डे पार्टी करना मेडिकल एथिक्स का उल्लंघन है। सिविल सर्जन के मुताबिक वायरल फोटो देखकर उन्होंने 13 में से 5 डॉक्टरों की पहचान कर ली हैं।

बालकों का सर्वोत्तम हित सुरक्षित करने जुलाई में कन्वर्जेंस बैठक

यूनिसेफ ने बाल अपराधों के लंबित प्रकरणों की विवेचना एवं प्रक्रिया पर दिया प्रशिक्षण

- विधि से संघर्षरत बालको एवं बाल अपराधों पर कार्यशाला
- बाल अपराध के लंबित प्रकरणों की किया गया समीक्षा।

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। किशोर न्याय (बालको की देख – रेख एवं संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार बच्चों के सर्वोत्तम हित में कार्यवाही हेतु बाल कल्याण अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण यूनिसेफ के अधिकारियों द्वारा दिया जा रहा है। पुलिस नियंत्रण कक्ष भिलाई में इस संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला दुर्ग के थानों में विधि से संघर्षरत बालको एवं बाल अपराधो से जुड़े प्रकरणों के संबंध में कार्य योजना तैयार कर पालन किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। 6 जून को पुलिस नियंत्रण कक्ष भिलाई में कार्यशाला का अयोजन किया गया जिसमें घुमंतू बालको एवं विधि से संघर्षरत बालको के लिए समस्त थाना में रजिस्टर संधारण करने, थानों में स्थापित बाल हितैषी कक्ष को व्यवस्थित करने, पिछले एक वर्ष के बाल प्रकरणों के डेटा को अपडेट करने, विधि से संघर्षरत बच्चो के मानसिक सुधार हेतु खेल गतिविधियाँ आयोजित करने, बच्चों की काउंसिलिंग हेतु सेफ जोन चिन्हित किए जाने तथा विधि से संघर्षरत बालकों एवं बाल अपराधो से जुड़े प्रकरणों में विवेचना एवं प्रक्रिया के संबंध में यूनिसेफ व्दारा थानों में तैनात बाल कल्याण अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

उपनिदेशक अभियोजन बीएस राजपूत व्दारा किशोर न्याय एवं बालको की देख – रेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 एवं इसके विभिन्न नियमों के संबंध में सारगर्भित रूप से बताया गया। बालकों की सामाजिक पृष्टभूमि भूमि रिपोर्ट किस प्रकार भरा जाना चाहिए विस्तार पूर्वक बताया गया। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर द्वारा जुलाई 2026 में होने वाले कन्वर्जेंस बैठक के पूर्व सभी थाना में तैयारी पूर्ण कर लेने लक्ष्य तय कर जवाबदेही पूर्वक कार्य पूर्ण कर लिए जाने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर, उप पुलिस अधीक्षक एसजेपीयू चित्रा वर्मा, उपनिदेशक अभियोजन बीएस राजपूत एडीपीओ शैलेन्द्र सिंह परिहार, यूनिसेफ की टीम तथा समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारी उपस्थित थे।

डायल 112 टीम को रिस्पांस टाइम व सेवा गुणवत्ता सुधारने के निर्देश

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने ली ब्रीफिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दधीची प्रशिक्षण हॉल, रक्षित केंद्र दुर्ग में डायल–112 के वाहन चालक एवं आरक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा डायल–112 सेवा की कार्यप्रणाली, रिस्पांस टाइम, अनुशासन एवं जनसहायता से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

निर्देशित किया गया कि डायल–112 की गाड़ियां अनावश्यक रूप से थाना अथवा यातायात शाखा में खड़ी न रहें तथा सूचना प्राप्त होते ही चालक एवं आरक्षक तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हों। वे जिला पुलिस के प्रतिनिधि हैं तथा आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने, पूर्ण अनुशासन एवं सतर्कता बनाए रखने तथा फर्स्ट एड बॉक्स, फायर एक्सटिंगुइशर एवं अन्य आवश्यक उपकरणों की प्रतिदिन जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बेहतर कार्य करने वाले डायल–112 स्टाफ को प्रोत्साहन एवं पुरस्कार प्रदान किए जाने की भी जानकारी दी गई।

मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए तालाब, नदी एवं अन्य जलाशयों में डूबने जैसी घटनाओं की रोकथाम हेतु नागरिकों को जागरूक करने तथा किसी भी आकस्मिक घटना की सूचना तत्काल संबंधित थाना को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। डायल–112 की गतिविधियों एवं घटनाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु भी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 65 आरक्षक एवं 52 डायल–112 वाहन चालक सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं ब्रीफिंग व्यवस्था में रक्षित केंद्र दुर्ग एवं डायल–112 शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस की अपील :

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति, दुर्घटना, अपराध अथवा सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल डायल–112 सेवा का उपयोग करें। मानसून के दौरान नदी, नालों एवं तालाबों के आसपास विशेष सावधानी बरतें तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें।

विकास कार्यों का महापौर अलका ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने शनिवार शाम लोककर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, पार्षद विजयंत पटेल, ललित ढीमर, रंजीता पाटिल,उपअभियंता प्रेरणा दुबे तथा बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों के साथ विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया।

महापौर ने वार्ड क्रमांक 56 में आलोक साहू के घर से हेमलता ठाकुर के घर तक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही बघेरा क्षेत्र में शैलेंद्र किराना स्टोर्स से धरम साहू के घर तक सड़क निर्माण तथा इंदिरा नगर में शिव मंदिर से गुधारी निर्मलकर के घर तक सड़क एवं आवश्यक आधारभूत संरचना निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर आरसीसी नाली, पुलिया एवं सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास की नई सौगात दी गई।

वार्ड 05 में महर्षि दयानंद स्कूल के पास एवं गया बाई स्कूल के पीछे नाली और सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। मरारपारा क्षेत्र में नंदराम साहू के घर से निशांत देवांगन चौक तक सीसी रोड, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि सभी वार्डों में संतुलित विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। सड़क, नाली, पुलिया एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। विकास कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा प्रत्येक वार्ड में आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

सिलेंडर के दाम फिर बढ़े, जनता परेशान : वोरा

दुर्ग। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर 29 रुपए की वृद्धि होने पर पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने महंगाई को जनता की नियति मान लिया है। रसोई गैस, खाद्य तेल, दाल, सब्जियां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। आम परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा केवल घर चलाने में खर्च करने को मजबूर है। पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

एओआई दुर्ग-भिलाई एवं राजनांदगांव की नई कार्यकारिणी का गठन, डॉ. मेठी बने अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। एसोसिएशन ऑफ ओटो-राइनो-लैरिंजोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एओआई) के दुर्ग-भिलाई एवं राजनांदगांव चैप्टर की सामान्य सभा (जनरल बॉडी मीटिंग) 6 जून 2026 को संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत निवर्तमान कार्यकारिणी के प्रति उनके समर्पित नेतृत्व, उत्कृष्ट सेवाओं एवं संगठन के विकास में दिए गए अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए की गई। सभा में उपस्थित सदस्यों द्वारा प्रस्ताव एवं अनुमोदन के उपरांत आगामी कार्यकाल हेतु नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार हैं:- अध्यक्ष डॉ. आदित्य मेठी, उपाध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र सिंह गौर, सचिव डॉ. मयुरेश वर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ. गिरीश उमरेडकर, संयुक्त सचिव डॉ. नमन पींचा, डॉ. सीमा पति। मीडिया समन्वयक डॉ. अभिराज तिवारी, बाह्य कार्य समन्वयक डॉ. मिथिलेश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एस एम इकबाल, डॉ. गौतम पींचा, डॉ. पी के बनर्जी, डॉ. मीनाक्षी केकरे, डॉ. ए के गर्ग, डॉ. आर आर बारले, डॉ. रतन तिवारी, डॉ. मंजूषा, डॉ. सुनील नेमा, डॉ. अनुज गुप्ता, डॉ. संजय तिवारी, डॉ. शुभम अग्रवाल एवं डॉ. अपूर्व वर्मा।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने आगामी कार्यकाल में ईएनटी (कान, नाक एवं गला रोग) विषयक शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियों को नई दिशा प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया। इसके अंतर्गत नियमित सेमिनार, कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रमों, क्लिनिकल मीटिंग्स, कार्यशालाओं एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के लेक्चर्स का आयोजन किया जाएगा।

बीएसपी ने 40 आवासों से अवैध कब्जों को हटाया

भिलाई। बीएसपी ने टाउनशिप क्षेत्र में अवैध कब्जों, अतिक्रमणों तथा नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध अभियान चल रहा है। अभियान के अंतर्गत आवासीय परिसरों, सार्वजनिक स्थलों तथा संयंत्र की मूल्यवान भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के साथ-साथ रोड सेफ्टी और नगर व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। अभियान के दौरान सेक्टर-6 स्थित अनफिट ब्लॉकों के 40 आवासों से अवैध कब्जे हटाए गए। इसके अतिरिक्त टाउनशिप के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 32 अन्य आवासों को भी अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया। वहीं 16 विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 21,800 वर्गफीट मूल्यवान भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया गया, जिससे बीएसपी की परिसंपत्तियों के संरक्षण एवं सुव्यवस्थित विकास को बल मिला।

पर्यावरण बचाने भिलाई महिला समाज ने लगाए आंवला, शहतूत तथा बेल के पौधे

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस पर भिलाई महिला समाज द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत एरेका पाम, आंवला, शहतूत (मलबरी), कनेर, गुड़हल तथा बेल सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य हरित आवरण को बढ़ावा देना, पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करना तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देना था।

कार्यक्रम का नेतृत्व भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष पूनम कुमार ने किया। इस अवसर पर विभा कुमार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सचिव सोनाली रथ, सह सचिव चैती पाल, कोषाध्यक्ष शिखा जैन, सह कोषाध्यक्ष रीता तिवारी तथा कार्यकारिणी सदस्य रुखसाना बेगम शेख, सुधा शर्मा, सपना सोनी, नीलिमा साहू, लक्ष्मी पटेल, बबीता सिंह, रागिनी शर्मा एवं सुषमा सलवटकर सहित भिलाई महिला समाज की प्रबंधक, पर्यवेक्षक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस विशेष का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सतत जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

बीएमएस द्वारा आयोजित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता का परिचायक रहा। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित सभी सदस्यों ने स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में जनसहभागिता बढ़ाने की कवायद

शहर की हर दीवार हुई रंगीन, दे रही स्वच्छता का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता एवं सौन्दर्याकरण कार्य लगातार किए जा रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों एवं दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग्स एवं स्वच्छता संदेशों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।

नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से विनम्र अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थानों एवं दीवारों पर थूकें नहीं, कचरा इधर-उधर न फैलाएं तथा स्वच्छता बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। स्वच्छ और सुंदर शहर निर्माण में जनभागीदारी को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए निगम लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है।

दुर्ग की महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के अंतर्गत दुर्ग शहर स्वच्छता एवं सौन्दर्याकरण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शहर में किए जा रहे वॉल पेंटिंग, सफाई व्यवस्था, नागरिक सहभागिता एवं सिटीजन फीडबैक जैसे कार्यों का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। निगम का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता विकसित करना भी है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि स्वच्छ शहर हर नागरिक की पहचान होता है और शहर को सुंदर बनाए रखने में आम जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए निरंतर सफाई अभियान, कचरा प्रबंधन एवं सौन्दर्याकरण कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा शहर को देश के स्वच्छ शहरों में शामिल कराने में सहयोग दें।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सौन्दर्याकरण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

समाजसेवी के सुब्रमण्यम का भारत विकास परिषद ने किया सम्मान

भिलाई। भारत विकास परिषद, धवला एसोसिएट मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट डायरेक्टर के सुब्रमण्यम को सामाजिक सेवा, युवा विकास, शिक्षा, साहसिक गतिविधियों और सामुदायिक कल्याण में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अग्रसेन भवन सेक्टर-6 में 6 जून की शाम आयोजित समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया।

तीन दशकों से अधिक समय से यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के समर्पित सदस्य रहे सुब्रमण्यम वर्तमान में राज्य सचिव, दुर्ग-भिलाई इकाई के चेयरमैन और राष्ट्रीय परिषद के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं और युवा नेतृत्व, साहसिक गतिविधियों, पर्यावरण जागरूकता और राष्ट्रीय एकता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं।

उनकी उपलब्धियों में लिम्का बुक अवार्ड से सम्मानित होना और उधमपुर क्षेत्र में एक परिवार की जान बचाने के उनके साहसिक कार्य के लिए प्रतिष्ठित गॉडफ्रे फिलिप्स बहादुरी पुरस्कार के लिए नामांकित होना शामिल है।

वह और उनका परिवार नियमित रूप से वंचित छात्रों की शिक्षा का खर्च वहन करके, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री प्रदान करके उनकी सहायता करता हैं। वे रक्तदान शिविर और चिकित्सा शिविरों का आयोजन, दृष्टिबाधित और वंचित बच्चों को आवश्यक वस्तुओं का वितरण करके सहायता, जरूरतमंद परिवारों को कपड़े और आवश्यक वस्तुएं दान और पर्यावरण संरक्षण करते हैं।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

विश्व पर्यावरण दिवस पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व का अनूठा अभियान

बीजापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व द्वारा ग्राम नैमेड़ में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा स्थानीय समुदाय को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक एवं सहभागी बनाना था। कार्यक्रम का आयोजन फील्ड डायरेक्टर स्टायलो मंडावी एवं उप संचालक संदीप बलगा के मार्गदर्शन में संपा हुआ। इस अवसर पर वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी, डा. सुनील शर्मा, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारी, पेट्रोलिंग गार्ड तथा ग्राम नैमेड़, बीजापुर एवं गुदमा की ईको डेवलपमेंट कमेटी के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिा देशी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उनकी सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। उपस्थित प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, वन एवं वन्यजीव सुरक्षा, अवैध वन्यजीव व्यापार की रोकथाम तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के संबंध में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि वृक्षारोपण, वन संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी इनके संरक्षण की आधारशिला है।

ऐतिहासिक दस्तावेजों से होंगे नागरिक रूबरू

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार सप्ताह के अवसर पर 8 से 12 जून 2026 तक राजधानी रायपुर में विशेष प्रदर्शनी एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय स्थित आर्ट गैलरी में होगा, जहां आम नागरिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और इतिहास प्रेमियों को ऐतिहासिक अभिलेखों और दस्तावेजों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। प्रदर्शनी में नीति, नियम और शासन संबंधी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेजों के छायाचित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। इन अभिलेखों के माध्यम से प्रदेश और देश के प्रशासनिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक इतिहास की महत्वपूर्ण झलक देखने को मिलेगी। प्रदर्शनी प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से अपराह्न 5 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी।

आईटीआई में एडमिशन के लिए पहले चरण में ऑनलाइन आवेदन 15 जून तक

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले के सारंगढ़, सरिया और भटगांव सहित छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय आईटीआई में प्रवेश सत्र 2026 एवं 2026-28 के लिए संस्था में संचालित कोपा, फीटर , वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन आदि व्यवसायों में रिक्त स्थानो हेतु ऑनलाईन प्रवेश के लिए राज्य सरकार ने आवेदन प्रकिया के लिए पोर्टल खोला है। पहले चरण में 10वी उत्तीर्ण इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट सीजीआईटीआई डॉट एडमिशन डॉट एनआईसी डॉट इन पर जाकर 15 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी पोर्टल पर जाकर या नजदीकी च्वाईस सेंटर, कम्प्यूटर सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। इसके लिए लिंक है। एनआईसी द्वारा मेरिट और चयन सूची 16 जून को जारी किया जाएगा। यह प्रक्रिया 2 और 3 चरण में किया जाएगा।

मछुआरा समाज के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार मछुआरा समाज के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आधार बनाकर प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय मछुआरा संघ के विधानसभा पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह एवं समाजिक प्रगति चिंतन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए समाज हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।उन्होंने मछुआरा कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय भरत लाल मटियारा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका योगदान समाज सदैव याद रखेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने भी विजन डॉक्यूमेंट 2047 तैयार किया है।

मुख्यमंत्री ने मत्स्य क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि हसदेव-बांगो जलाशय में 37 करोड़ रुपये की लागत से एक्वा पार्क स्थापित किया जा रहा है। इससे मछली उत्पादन, प्रोसेसिंग, निर्यात और मत्स्य पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं दुधवा जलाशय में वैज्ञानिक पद्धति से तिलापिया और पंगास मछली का पालन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मत्स्य सहकारी समितियों के सदस्यों को 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क दुर्घटना बीमा प्रदान किया जा रहा है। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले मत्स्य पालकों को प्रतिवर्ष राज्योत्सव में बिलासा देवी केंवट सम्मान से सम्मानित किया जाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गंगरेल डूबान क्षेत्र समिति को ठेका पद्धति समाप्त कर पुन: मछली पालन की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि मछली पालन किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी व्यवसाय है और सरकार इसके विस्तार के लिए हर संभव सहयोग दे रही है।

उन्होंने सुशासन तिहार के अनुभव साझा करते हुए बताया कि अब तक 31 जिलों का दौरा कर योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का निरीक्षण किया गया है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अंतिम व्यक्ति तक सभी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की जल्द शुरुआत की भी घोषणा की, जिसके माध्यम से आम नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि मछुआरा समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है और प्रदेश में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार मत्स्य पालकों के हितों की रक्षा और उनके आर्थिक विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को भी चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति ने समाज के लोगों से नशामुक्ति का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और संगठित होना होगा।

चंद्रनाहू कुर्मी-क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने बच्चों को कराया स्वर्णप्राशन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज धमतरी जिले के ग्राम छाती स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित चंद्रनाहू (चंद्राकर) कुर्मी-क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने अधिवेशन परिसर में लगाए गए विभिन्न प्रदर्शनी एवं जागरूकता स्टॉलों का अवलोकन किया तथा बच्चों को स्वर्ण प्राशन संस्कार कराकर स्वस्थ एवं सशक्त बाल्य जीवन का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न संस्कारों की समृद्ध परंपरा रही है। स्वर्ण प्राशन भी ऐसे ही महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक है, जिसका उल्लेख आयुर्वेद में मिलता है। यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने में सहायक माना जाता है। उल्लेखनीय है कि स्वर्ण प्राशन बच्चों में किए जाने वाले प्रमुख संस्कारों में से एक है। आयुर्वेद में इसे बाल स्वास्थ्य संवर्धन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया माना गया है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति में जिस प्रकार विभिन्न टीकों के माध्यम से बच्चों की प्रतिरक्षा क्षमता को मजबूत किया जाता है, उसी प्रकार आयुर्वेद में वैदिक काल से स्वर्ण प्राशन संस्कार के माध्यम से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का उल्लेख मिलता है। इसे आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन की पारंपरिक प्रक्रिया के रूप में भी देखा जाता है। अधिवेशन के दौरान मुख्यमंत्री ने समाज के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से भेंट कर सामाजिक एकता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के संबंध में चर्चा की। उन्होंने समाज द्वारा बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

जशपुर की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन मनरेगा से रोजगार और विकास को मिली नई गति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्रामीण परिवारों को समयबद्ध रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जशपुर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए रोजगार की मांग दर्ज कराई तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

रोजगार दिवस के दौरान ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को मनरेगा के तहत रोजगार प्राप्त करने की प्रक्रिया, जॉब कार्ड निर्माण एवं संशोधन, कार्य मांग पंजीयन, मजदूरी भुगतान प्रणाली तथा योजना के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, रोजगार सहायकों, तकनीकी सहायकों और पंचायत कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान आगामी कार्यों के लिए रोजगार मांग आवेदन प्राप्त किए गए तथा पात्र परिवारों के नवीन जॉब कार्ड बनाने और पुराने जॉब कार्डों के अद्यतन का कार्य भी किया गया। पंचायत स्तर पर प्राप्त शिकायतों और समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए ग्रामीणों को योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

रोजगार दिवस में मनरेगा के अंतर्गत संचालित जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। बताया गया कि जिले में सोक पिट, कंटूर ट्रेंच, वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच, नवा तरिया, आजीविका डबरी, तालाब निर्माण एवं वृक्षारोपण जैसे कार्यों के माध्यम से एक ओर रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और भू-जल संवर्धन को भी बढ़ावा मिल रहा है। इन कार्यों से जल स्तर में सुधार, कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है। मनरेगा के माध्यम से जिले में विकास और आजीविका सशक्तिकरण के दोहरे उद्देश्य को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, युवाओं तथा कमजोर वर्गों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को मनरेगा एवं आजीविका संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्हें विभिन्न स्वरोजगार और रोजगारोन्मुखी योजनाओं से जोड़ने के प्रयास किए गए। जिला प्रशासन द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे रोजगार दिवस का उद्देश्य प्रत्येक इच्छुक ग्रामीण परिवार को समय पर रोजगार उपलब्ध कराना, योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ग्राम स्तर पर विकास कार्यों में जनभागीदारी को मजबूत करना है। रोजगार दिवस के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ-साथ उनकी समस्याओं के समाधान के लिए भी प्रभावी मंच उपलब्ध हो रहा है।

भीषण गर्मी से राहत पाने जलाशयों और स्विमिंग पूलों में उमड़ रही भीड़

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। नौतपा की अवधि भले ही 2 जून को समाप्त हो गई हो, लेकिन जिले में गर्मी के तेवर अभी भी कम नहीं हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। सुबह से ही चुभने वाली धूप और गर्म हवाएं लोगों की परेशानी बढ़ा रही हैं। दोपहर के समय सडकों पर आवाजाही कम दिखाई दे रही है और लोग केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं।

भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए शहर के विभिन्न स्विमिंग पूलों में लोगों की भीड़ बढ़ गई है। स्थानीय वेव पूल के अलावा नगर पालिक निगम, सीएसईबी और एनटीपीसी द्वारा संचालित स्विमिंग पूलों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और परिवार पहुंच रहे हैं। वॉटर स्पोर्ट्स और तैराकी के माध्यम से लोग गर्मी से राहत महसूस कर रहे हैं। अलग-अलग संस्थानों द्वारा सुविधाओं और शुल्क के लिए अपने-अपने नियम निर्धारित किए गए हैं, लेकिन भीषण गर्मी के कारण लोग इन सुविधाओं का लाभ लेने के लिए हर तरह की शर्तें स्वीकार करने को तैयार हैं।

दूसरी ओर, प्राकृतिक जल स्रोतों की ओर भी लोगों का रुझान बढ़ा है। कोरबा जिले के विभिन्न एनीकटों, बांधों और नदी घाटों में पिछले कुछ दिनों से हजारों लोगों की मौजूदगी दर्ज की जा रही है। अवकाश के दिनों में इन स्थानों पर परिवार और मित्र समूह पिकनिक के साथ जल क्रीड़ा का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। प्राकृतिक वातावरण और ठंडे पानी का आकर्षण लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। हालांकि विशेषज्ञों और प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील भी की है।

ग्राम बेतरा में पुलिस जन-चौपाल, डीआईजी एवं एसएसपी ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। जशपुर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त बनाने एवं ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम बेतरा में पुलिस जन-चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया।

कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक यातायात कुंज राम चौहान, कोर्ट मोहर्रिर महिला आरक्षक सुषमा भगत, महिला आरक्षक मधु मंजरी तिर्की, महिला आरक्षक शर्मिला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जन-चौपाल के दौरान डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. सिंह ने ग्रामीणों को पुलिस मितान योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, सहयोग और समन्वय को मजबूत करना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में समस्याओं, विवादों एवं अपराधों की सूचना समय पर पुलिस तक पहुंचे और उनका त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से पुलिस मितान के माध्यम से पुलिस के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने तथा अपने गांव को सुरक्षित एवं अपराधमुक्त बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। डॉ. सिंह ने पुलिस की कार्यप्रणाली, नागरिकों के कानूनी अधिकारों एवं पुलिस की जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि समाज में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्द बनाए रखना भी है। ग्रामीणों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि, विवाद या अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। इस अवसर पर डीआईजी एवं एसएसपी ने ग्रामीणों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना।

पीएम जनमन से सच हुआ लखमुराम का पक्के घर का सपना साकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के परिवारों के जीवन में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना एक नई रोशनी लेकर आई है। इस योजना ने नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम गारपा के निवासी लखमुराम के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल दी है। वर्षों से कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर इस आदिवासी परिवार को अब अपना पक्का आवास मिल गया है।

लखमुराम का परिवार पीढ़ियों से एक कच्चे मकान में गुजर-बसर कर रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण खुद का पक्का मकान बनाना उनके लिए एक दूर का सपना था। हर साल मानसून आते ही परिवार की चिंताएं बढ़ जाती थीं। बरसात के मौसम में घर की छत से लगातार पानी टपकता था। तेज हवाएं, कड़कड़ाती ठंड और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के बीच पूरा परिवार हमेशा डर के साये में जीने को मजबूर था। कच्चे और सीलन भरे घर के कारण बच्चों की शिक्षा पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा था।

जब लखमुराम का चयन पीएम जनमन योजना के तहत हुआ, तो उनके परिवार की किस्मत बदल गई। योजना के अंतर्गत पक्के आवास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता सीधे उनके खाते में ट्रांसफर की गई। प्रशासन की निगरानी और लखमुराम की मेहनत से निर्धारित समय के भीतर एक सुंदर और मजबूत पक्का मकान बनकर तैयार हो गया।

नए घर में गृह प्रवेश के दौरान लखमुराम और उनके परिजनों के चेहरों पर जो मुस्कान थी, वह बयां कर रही थी कि यह बदलाव कितना बड़ा है। लखमुराम ने भावुक होते हुए कहा कि मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि वनांचल के इस सुदूर इलाके में मेरा भी कभी एक पक्का और सुरक्षित घर होगा। अब मेरे बच्चों को पढ़ने के लिए शांत और बेहतर माहौल मिला है। हमें बारिश, धूप और आंधी-तूफान के डर से हमेशा के लिए मुक्ति मिल गई है। यह घर हमारे लिए केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और हमारे बच्चों के बेहतर भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने इस मदद के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया।

ईमानदारी और मेहनत साहू समाज की पहचान, इसे बनाकर रखें-अरुण साव

उप मुख्यमंत्री कर्मा महोत्सव में हुए शामिल, तैलीय सदन का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव किरंदुल में तहसील साहू संघ द्वारा आयोजित कर्मा महोत्सव, नवीन सामाजिक भवन नामकरण एवं लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने सामाजिक पदाधिकारियों के साथ एक करोड़ रुपए की लागत से निर्मित भव्य तैलीय सदन का लोकार्पण किया। छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, दंतेवाड़ा के विधायक चौतराम अटामी और किरंदुल नगर पालिका की अध्यक्ष रुबी शैलेन्द्र सिंह भी महोत्सव में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री साव ने कर्मा महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि किरंदुल में छत्तीसगढ़ का सबसे भव्य साहू समाज का भवन बना है। इस भवन का रोज उपयोग हो, ऐसी व्यवस्था बनाएं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और मेहनत साहू समाज की ताकत और विशेषता है। हमारी इस पहचान को बनाकर रखना है।

श्री साव ने कहा कि सभी समाजों के साथ साहू समाज का आत्मीय संबंध है। यह सभी के साथ मिलकर चलने वाला समाज है। साहू समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। देश-विदेश में समाज के युवा अनेक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। भक्त माता कर्मा के बताए मार्ग पर चलकर हमें समाज को ऊंचाईयों पर पहुंचाना है।

छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज का तेल निकालने का पुश्तैनी काम रहा है। हमारे इस पुश्तैनी व्यवसाय को पुनर्स्थापित करना चाहिए। उन्होंने समाज के लोगों को तेल निकालने की मशीन लगाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि तेल निकालने की मशीनों पर सरकार द्वारा 35 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है। समाज के लोग इसका लाभ लेकर तेल निकालने का उद्यम कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

विधायक चौतराम अटामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साहू समाज के लोग किरंदुल में सक्रियता से काम कर रहे हैं। समाज के 300 परिवार यहां रहते हैं।

उन्होंने समाज की मांग पर शैक्षणिक कार्य के लिए कमरा बनाने की घोषणा की। किरंदुल नगर पालिका की अध्यक्ष रुबी शैलेन्द्र सिंह, किरंदुल तहसील साहू समाज के अध्यक्ष टीकमचंद साहू और छत्तीसगढ़ साहू समाज के संगठन सचिव ओमप्रकाश साहू ने भी कर्मा महोत्सव को संबोधित किया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए लालाराम साहू को समाजरत्न सम्मान दिया गया। माता कर्मा प्रांगण में दीवारों कर कलाकृति बनाने वाले कलाकार कामता राम कोर्राम को भी सम्मानित किया गया। भगवताचार्य यामिनी देवी साहू, लोक गायिका आरू साहू, पार्षद विनोद साहू और तहसील साहू समाज के संरक्षक ओम साहू सहित साहू समाज के प्रदेशभर के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

पेद्दी की क्लीवेज कंट्रोवर्सी

जान्हवी के बचाव में आई मेकअप आर्टिस्ट सवलीन

रामचरण की साउथ फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर को जिस ढंग से बड़े पर्दे पर दिखाया गया है, उस पर फैंस और क्रिटिक्स सवाल उठा रहे हैं। इस मामले में जान्हवी कपूर की मेकअप आर्टिस्ट एक्ट्रेस के सपोर्ट में उतर आई हैं। 'पेद्दी' ने तीन दिन में ही 100 करोड़ रुपये की कुल कमाई कर

ली। लेकिन कंट्रोवर्सी भी चर्चा में है। दरअसल, फिल्म में निर्देशक ने जान्हवी कपूर के किरदार 'अचियम्मा' को कामुक ढंग से दिखाया है। इस बात को लेकर निर्देशक की आलोचना हो रही है, जान्हवी कपूर को भी सोशल मीडिया यूजर्स ट्रोल कर रहे हैं। इस पूरे मामले में जान्हवी कपूर की मेकअप आर्टिस्ट सवलीन कौर मनचंदा उनके सपोर्ट में उतर आई हैं। मेकअप आर्टिस्ट ने इस मामले को लेकर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की है।

मेकअप आर्टिस्ट सवलीन कौर मनचंदा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट को री-शेयर किया है। इस पोस्ट में लिखा था, 'किसी एक्ट्रेस को उसके निभाए किरदारों के लिए दोष देना आसान है, लेकिन असल कहानी कुछ और है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि जाह्नवी कपूर ने पोस्ट-प्रोडक्शन के दौरान उन शॉट्स पर साफ तौर पर सवाल उठाए थे।'

पोस्ट में आगे लिखा है, 'उन्होंने एक प्रोफेशनल सीमा तय की थी, लेकिन फाइनल एडिट में भी वह फुटेज रखा गया। यह मामला डायरेक्टर का है जिन्होंने अभिनेत्री द्वारा तय सीमा को नजरअंदाज किया क्योंकि उन्होंने तय किया कि उनके बॉक्स ऑफिस नंबरों की तुलना में एक्ट्रेस की सहमति कम जरूरी है।'

डायरेक्टर ने भी मांगी माफी

शनिवार को डायरेक्टर बुची बाबू सना ने 'पेद्दी' से जुड़े विवाद पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'एक फिल्ममेकर के तौर पर मेरा मानना है कि सिनेमा को दर्शकों का मनोरंजन करना चाहिए, उन्हें प्रेरित करना चाहिए और उनसे जुड़ना चाहिए। इससे कभी भी किसी को असहज या अपमानित महसूस नहीं होना चाहिए। हमने 'पेद्दी' के कुछ सीन्स पर मिली प्रतिक्रिया को सुना है और इसे गंभीरता से लिया है। अगर फिल्म के किसी हिस्से को उस नजरिए से देखा गया है, तो हम उन भावनाओं का सम्मान करते हैं। उठाई जा रही चिंताओं को समझते हैं और इसके लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं।'

खूब कमा रही है 'पेद्दी'

जाहन्वी कपूर से जुड़ी इस कंट्रोवर्सी के बीच साउथ फिल्म 'पेद्दी' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है।

बेपनाह मोहब्बत है मुझे

नई-नई प्रांतीय भाषाओं से : शरवरी

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। शरवरी वाघ ने कहा, घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।

शरवरी ने कहा, भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है।

अभिनेत्री ने कहा, भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं। अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं। महाराष्ट्र से होने का एक फायदा यह भी मिला कि मुझे दूसरी भाषाओं को समझने और अपनाने में आसानी हुई। भारत की कई भाषाएं एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि नई भाषा सीखने की प्रक्रिया मेरे लिए मुश्किल के बजाय आनंददायक रही।

फिल्म में दिलजीत दोसांझ और नसीरुद्दीन शाह जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण बिरला स्टूडियो, अप्लॉज एंटरटेनमेंट, मोहित चौधरी और शिबाशीष सरकार की विंडो सीट फिल्म्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमेजन पर चमका सिस्टम का सितारा

बावेजा स्टूडियो की नई फिल्म सिस्टम ने अमेजन प्राइम वीडियो पर कमाल कर दिया है। ये फिल्म दुनियाभर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली गैर-अंग्रेजी (नॉन-इंग्लिश) फिल्म बन गई है, जबकि सभी फिल्मों की सूची में ये ग्लोबल चार्ट पर दूसरे नंबर पर है।

बनी दुनिया की नंबर-1 गैर-अंग्रेजी फिल्म

अश्विनी अय्यर तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे बड़े कलाकार हैं। फिल्म की यह बड़ी कामयाबी भारतीय सिनेमा के लिए गर्व की बात है, क्योंकि अब भारतीय फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं।

जी5 पर मिसेज और नेटफ्लिक्स पर हक के बाद सिस्टम की इस शानदार सफलता के साथ ही बावेजा स्टूडियो ने लगातार 3 हिट फिल्में देने की हैट्रिक बना ली है। इन सभी फिल्मों की सबसे बड़ी खासियत इनकी अनोखी कहानियां हैं, जो अलग-अलग बैकग्राउंड के दर्शकों को खुद से जोड़ती हैं।

इस बड़ी कामयाबी पर लेखक-निर्माता हरमन बावेजा ने कहा कि यै सफलता बेहतरीन कहानी कहने की ताकत का सबसे बड़ा सबूत है। उन्होंने इसका पूरा श्रेय प्राइम वीडियो और अपनी टीम को देते हुए कहा कि उनकी वजह से ही भारतीय कहानियां आज दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंच पा रही हैं।

अनुराग-बॉबी का बन्दर बॉक्स ऑफिस पर ढेर

बंदर बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन ढेर हो गया। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 50 लाख रुपए की कमाई कर निर्माता अनुराग कश्यप और स्टार बॉबी देओल दोनों को निराश कर दिया है।

अनुराग कश्यप की नई फिल्म बंदर, जिसमें बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं, बॉक्स ऑफिस पर काफी मुश्किल शुरुआत कर पाई। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 50 लाख नेट का कारोबार किया। यह फिल्म 1,365 शोज में रिलीज हुई थी, लेकिन जेल ड्रामा वाली इस फिल्म को सिर्फ 12.58 प्रतिशत की औसत ऑक्यूपेंसी ही मिल पाई। फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में बुरी तरह संघर्ष करती नजर आई।

फिल्म की कमाई और दर्शकों की संख्या में दिन ढलने के साथ थोड़ा सुधार देखने को मिला। सुबह के शोज में जहां केवल 3-4 प्रतिशत (3.38 प्रतिशत) सीटें ही भरी थीं, वहीं रात के शोज आते-आते यह आंकड़ा बढ़कर करीब 18 प्रतिशत (18.08 प्रतिशत) तक पहुंच गया। दिल्ली-एनसीआर में फिल्म के सबसे ज्यादा शोज रखे गए थे, लेकिन वहां भी सिनेमाघारों में भीड़ काफी कम रही।

पहले दिन की कमाई सिर्फ 50 लाख रुपए

हालांकि, इस फिल्म (बंदर) ने अनुराग कश्यप की पिछली फिल्म निशांची से बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन महामारी (कोविड) से पहले आई उनकी सुपरहिट फिल्मों के मुकाबले यह काफी पीछे रह गई। इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई दूसरी बड़ी फिल्म से भी इसे कड़ी टक्कर मिल रही है।

दरअसल, अनुराग कश्यप की फिल्मों से हमेशा उम्मीद रहती है कि वे आसान सवाल नहीं पूछेंगी। फिल्म बंदर भी एक ऐसे विषय को उठाती है जिस पर बहस लंबे समय तक चल सकती है। एक ढलते हुए एक्टर और सिंगर पर लगा सीरियस आरोप, सोशल मीडिया की अदालत और जेल के भीतर की दुनिया। सुनने में यह सब बेहद दिलचस्प लगता है। लेकिन दिक्कत तब शुरू होती है जब फिल्म एक जटिल विषय को समझने के बजाय सिर्फ एक पक्ष की पीड़ा दिखाने में उलझ जाती है। नतीजा यह होता है कि फिल्म सोचने पर मजबूर कम और थकाने का काम ज्यादा करती है।

समस्या यह है कि फिल्म का विषय जितना पेचीदा है, उसका प्रस्तुतिकरण उतना ही सीधा और सुविधाजनक लगता है।

कहानी बार बार आपको बताती है कि समर के साथ कितना गलत हो रहा है, लेकिन दूसरे पक्ष को समझने की कोशिश लगभग नहीं करती। इसी वजह से फिल्म धीरे धीरे संतुलन खो देती है। दर्शक ऊब जाता है और जब फिल्म मुंह के बल गिर जाती है।

वजन घटाने के लिए अपनाएं एंटी-इन्फ्लेमेटरी तरीके

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना भूल जाते हैं। खासकर वजन घटाने के लिए जरूरी एंटी-इंफ्लेमेटरी आदतें अपनाना बहुत अहम है। एंटी-इंफ्लेमेटरी आहार शरीर में सूजन को कम करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी एंटी-इंफ्लेमेटरी आदतें बताएंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं और अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।

ये 5 आदतें भी सेहत पर डालेंगी सकारात्मक असर

हर दिन 5-10 मिनट टहलना एक आसान और प्रभावी तरीका है, जिससे आप अपने शरीर की सूजन को कम कर सकते हैं। टहलने से न केवल आपका रक्त संचार बेहतर होता है, बल्कि यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। सुबह या शाम के समय टहलना आपको ताजगी महसूस कराता है और दिनभर ऊर्जा प्रदान करता है। इसके अलावा टहलने से आपकी मांसपेशियों में लचीलापन आता है और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं।

ग्रीन टी में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को जलाने में मदद करते हैं। रोजाना एक कप ग्रीन टी पीने से शरीर तेजी से वजन काम करता है, जिससे कैलोरी जलती हैं। इसके अलावा ग्रीन टी पीने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और आपकी त्वचा भी साफ-सुथरी रहती है। ग्रीन टी का नियमित सेवन आपको ताजगी महसूस कराता है और दिनभर ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं।

खाने में जैतून के तेल का इस्तेमाल करना भी एक अच्छा तरीका है, जिससे आपके भोजन में सूजन कम करने वाले गुण शामिल होते हैं। सलाद या सब्जियों पर जैतून का तेल डालकर खाना स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छा है। जैतून के तेल में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। यह दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद है और रक्त में वसा को नियंत्रित करता है।

हरी सब्जियों की स्मूदी बनाकर पीना भी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है, जिससे आप अपने आहार में सूजन कम करने वाले तत्व शामिल कर सकते हैं। पालक, केल और अदरक आदि जैसी सब्जियों को मिलाकर स्मूदी बनाई जा सकती है, जो न केवल स्वादिष्ट होती है बल्कि सेहतमंद भी रहती है। इन सरल और छोटे-छोटे आदतों को अपनाकर आप अपने दैनिक जीवन में आसानी से बदलाव ला सकते हैं और अपने वजन को नियंत्रित रख सकते हैं।

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जिसमें एक खास तत्व होता है, जो प्राकृतिक रूप से सूजन कम करता है। इसे दूध, सब्जियों या फिर रोटी पर छिड़ककर इसका सेवन किया जा सकता है। हल्दी का सेवन करने से शरीर की अंदरूनी सूजन कम होती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अलावा हल्दी का सेवन करने से आपकी त्वचा भी चमकदार बनती है और आप अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं।

सूखी आंखों का क्या है AC कनेक्शन

गर्मियों के मौसम में तेज धूप, धूल प्रदूषण और ड्राई एयर में लंबे समय तक रहने से आंखों में ड्राईनेस आने लगती है। जिस तरह शरीर में डिहाइड्रेशन होती है, ठीक उसी तरह आंखों में भी सूखेपन की परेशानी महसूस हो सकती है।

तेज गर्मी और गर्म हवाएं आंसुओं के वाष्पीकरण को बढ़ा देती हैं, जिससे आंखों की सतह पर नमी कम हो जाती है। एयर-कंडीशनर वाले कमरों में लंबे समय तक बैठने से यह समस्या और भी बढ़ सकती है, क्योंकि ये कमरे की नमी के स्तर को कम कर देते हैं और आंखों को सूखा कर देते हैं। शहरों में, गर्मियों के महीनों में धूल के कण, प्रदूषण और एलर्जी पैदा करने वाले एलर्जन्स भी बढ़ जाते हैं, जिससे संवेदनशील लोगों की आंखों में जलन, खुजली और लालिमा की समस्या हो सकती है।

- गर्मियों में आप ज्यादातर समय मोबाइल या लैपटॉप में ही बिताना पसंद करते हैं। घंटों मोबाइल और लैपटॉप की स्क्रीन देखते हुए पलके कम झपकाते हैं, तो इससे आंखों पर जोर पड़ता है। इससे आंखों में थकान और ड्राईनेस बढ़ती है।
- स्विमिंग पूल के क्लोरिन वाले पानी में आंखों को सुरक्षित करने वाला चश्मा पहने बिना तैरने से आंखों में जलन हो सकती है।
- आंखों में जलन के साथ-साथ तेज लालिमा, सूजन, दर्द, धुंधला दिखाई देना या रोशनी के प्रति संवेदनशीलता जैसे लक्षण होने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है।
- पर्याप्त पानी पीएं। डॉक्टर की सलाह पर लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप्स व आर्टिफिशियल टियर्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अच्छी क्वालिटी के सनग्लासेज पहनें। दोपहर के समय आंखों को पूरी तरह से ढकने वाले धूप के चश्मे पहनें।
- टीवी, लैपटॉप और मोबाइल स्क्रीन का सही ढंग से उपयोग करें। इसके लिए 20-20-20 रूल को फॉलो कर सकते हैं। हर 20 मिनट में, 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड तक देखें। एसी वाले रूम में काम करने वाले लोगों को चेहरे पर सीधे हवा के झोंके से बचना चाहिए और आंखों को आराम देने के लिए नियमित रूप से छोटे-छोटे ब्रेक लेने चाहिए।

खास खबर

अंतर्राष्ट्रीय साइकिल दिवस पर निकाली गई रैली

कोरबा । खेल और युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय साइकिल दिवस पर लोगों को जागरूक करने की कोशिश कोरबा में की गई इसके अंतर्गत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोरबा क्षेत्र के वॉलीबॉल ग्राउंड से घंटाघर सीएसईबी चैक होते हुए साइकिल वाले निकाल गई काफी संख्या में साइकिलिंग करने वाला वर्ग इस रैली में शामिल हुआ। कोरबा जिले में साइकिल दिवस पर आयोजन करने के लिए सरकार से निर्देश प्राप्त हुए थे जिसका पालन किया गया. पहले से किया जा रहे प्रचार प्रसार के कारण अच्छी संख्या में लोग इकत्रेहुए और रैली को सफल बनाया. रैली के मार्ग पर नारे भी लगाए गए जिससे की अधिकतम लोगों को शारीरिक फिटनेस बनाए रखना के मंत्र उपलब्ध कराए जा सकते हैं. लगभग 5 किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद रैली इसी स्थान पर पहुंची यहां पर पुलिस और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारी सहित पूर्व पार्षद सुशील गर्ग की उपस्थिति में समापन कार्यक्रम किया गया इस दौरान फिटनेस को लेकर बातें की गई और ईंधन संरक्षण के लिए अधिकतम समय साइकिल का उपयोग करने पर जोर दिया गया।

खरीफ सीजन के लिए समिति केंद्रों में उर्वरक वितरण से किसानों को राहत

रायपुर। राज्य शासन की किसान हितैषी पहल और कृषि विभाग की सतत निगरानी के परिणामस्वरूप किसानों को खरीफसीजन के लिए आवश्यक उर्वरकों की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे खेती-किसानी की तैयारियों को गति मिली है। जिले के विकासखंड अभनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भेलवाडीह के किसान अर्जुन यादव ने उर्वरक वितरण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें समिति केंद्र में बिना किसी परेशानी के आवश्यक खाद उपलब्ध हो गया। उन्होंने कहा कि समिति पहुंचने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका परमिट तत्काल जारी किया गया तथा आवश्यक उर्वरक भी आसानी से प्राप्त हो गया। किसान अर्जुन यादव ने बताया कि वे 4 एकड़ कृषि भूमि पर खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समिति से उन्हें खेती की आवश्यकता के अनुसार 4 बोरी डीएपी, 4 बोरी यूरिया खाद प्राप्त हुआ है। समय पर उर्वरक उपलब्ध होने से फसल प्रबंधन में सुविधा होगी और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

संस्कार शिविर में बच्चे सीख रहे जीवन जीने की कला

रायपुर। मालवीय रोड स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में 1 से 10 जून तक आयोजित 10 दिवसीय विशेष 'ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर' सफलता के नए सोपान तय कर रहा है। दिगंबर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट (कार्यसमिति) एवं आदिनाथ विद्या धार्मिक पाठशाला के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे भाग ले रहे हैं और अपने जीवन को सुसंस्कारी बनाने का अटूट संकल्प ले रहे हैं। शिविर के शैक्षणिक सत्र में सांगानेर (जयपुर) से आए प्रतिष्ठित विद्वान द्वारा बच्चों को बहुत ही सरल, सुबोध और संक्षिप्त परिभाषाओं के माध्यम से 'बाल बोध भाग-1' और 'भाग-2' का गहन अध्ययन कराया जा रहा है। शास्त्री जी अपनी अनूठी शिक्षण शैली से कठिन और क्लिष्ट धार्मिक सिद्धांतों को भी खेल-खेल में और अत्यंत आसान शब्दों में बच्चों के मानस पटल पर उतार रहे हैं, जिससे बच्चों में धर्म के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है।

जल संरक्षण बना जन आंदोलन, नवाचारों से मजबूत हो रहा भू-जल संवर्धन

सोक पिट, वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच, कंटूर ट्रेंच, आजीविका डबरी और नवा तरिया जैसी संरचनाएं बढ़ा रही जल संचयन क्षमता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन की दिशा में जशपुर जिला एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभर रहा है। जिले में मनरेगा तथा जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के लिए विभिन्न नवाचार आधारित संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलने के साथ ग्रामीण आजीविका को भी नई मजबूती मिल रही है।

जशपुर जिले में वर्षा जल के अधिकतम संचयन और भू-जल पुनर्भरण के उद्देश्य से घरों, शासकीय संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर बड़ी संख्या में सोक पिट बनाए जा रहे हैं। इन संरचनाओं से उपयोग किए गए जल का पुनर्भरण संभव हो रहा है तथा जलभराव की समस्या में भी कमी आ रही है।

पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच और कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया जा रहा है। ये संरचनाएं वर्षा जल के तीव्र बहाव को नियंत्रित कर मिट्टी के कटाव को रोकने के साथ जल को भूमि में समाहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इससे भू-जल स्तर में सुधार और पर्यावरणीय संतुलन को भी बढ़ावा मिल रहा है।

ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के लिए जिले में आजीविका डबरी निर्माण कार्य तेजी से संचालित किए जा रहे हैं। वर्तमान में 495 आजीविका डबरियां निर्माणाधीन हैं। इन डबरियों में वर्षा जल संग्रहित होने से किसानों को रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों की सिंचाई सुविधा मिलेगी, वहीं सब्जी उत्पादन, मत्स्य पालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। जल संरक्षण के क्षेत्र में 'नवा तरिया' अभियान भी उल्लेखनीय परिणाम दे रहा है। नए तालाबों के निर्माण और पुराने जलाशयों के जीर्णोद्धार से जल भंडारण क्षमता में वृद्धि हुई है। इसके सकारात्मक प्रभाव कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन गतिविधियों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

जशपुर जिले में 5 प्रतिशत मॉडल को भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक ग्राम के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के कम से कम 5 प्रतिशत हिस्से को जल संरक्षण संरचनाओं से आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पहल से वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण और जल उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने जल संरक्षण कार्यों में सभी विभागों और ग्रामीण समुदायों की सक्रिय भागीदारी पर बल देते हुए कहा है कि जल संरक्षण केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संचालित जन आंदोलन है।

सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सकता है। जशपुर जिले में संचालित ये नवाचार आधारित जल संरक्षण प्रयास जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। साथ ही ये पहल कृषि उत्पादन बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर सरगुजा संभाग में 'आकार-2026' का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाओं और पारंपरिक शिल्प के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा आकार-2026 पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 8 जून से 14 जून 2026 तक सरगुजा संभाग के उदयपुर और लखनपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रदेश की लोक कला परंपराओं से जोड़ना तथा उनमें पारंपरिक शिल्प और कला के प्रति रुचि विकसित करना है।

संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को नृत्य, नाटक, वाद्ययंत्र, चित्रकला, क्ले आर्ट, म्यूरल आर्ट, हस्तकढ़ाई, ड्राई फ्लावर आर्ट, कोरिया कला, रजवार मिट्टी चित्र, मेहंदी, मृदा शिल्प, गोदना कला और बांस शिल्प सहित कुल 14 पारंपरिक कला विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन विधाओं में प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों और पारंगत कला गुरुओं द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को कला के व्यावहारिक एवं तकनीकी पक्षों की जानकारी मिल सके।

शिविर के अंतर्गत उदयपुर में प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित होगा, जबकि लखनपुर में पीएमश्री स्कूल परिसर में शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए पंजीयन प्रक्रिया 6 जून से प्रारंभ हो चुकी है और इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित शुल्क जमा कर इसमें भाग ले सकते हैं।

आकार-2026 का उद्देश्य केवल पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि प्रदेश की विलुप्तप्राय और लोक जीवन से जुड़ी कला विधाओं को संरक्षित करना भी है। प्रशिक्षण के माध्यम से युवा कलाकारों को अनुभवी गुरुओं के मार्गदर्शन में सीखने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे और भविष्य में स्वरोजगार के नए अवसर भी प्राप्त कर सकेंगे। प्रशिक्षण शिविर के लिए पंजीयन शुल्क मात्र 100 रुपये निर्धारित किया गया है। दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों को शुल्क में विशेष छूट प्रदान की जाएगी।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रतिभागियों द्वारा तैयार कलाकृतियों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी तथा उन्हें प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इस प्रकार के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के साथ-साथ युवा पीढ़ी में लोक कला और शिल्प परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आकार-2026 न केवल कला प्रशिक्षण का मंच बनेगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊर्जा और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी साबित होगा। वेबसाइट **www.cgculture.in** से आवेदन पत्र का प्रारूप डाउनलोड किया जा सकता है। ई-मेल **sanskriti.rajbhasha@ gmail.com** एवं वेबसाइट **www.cgculture.in** से प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

पण्डो बस्ती पहुंचें एनएसएस के कैडेट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सूरजपुर जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों की समस्याओं को समझने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में शासकीय नवीन महाविद्यालय, चांदनी बिहारपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों ने सराहनीय पहल की है। महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम पण्डो बस्ती (कोलसो पारा एवं चौका पारा) में एनएसएस के कैडेट ने पहुंचकर जनजातीय परिवारों की समस्याओं का विस्तृत सर्वेक्षण किया।

प्रभारी प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के निर्देशन में आयोजित इस सर्वेक्षण के दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी जीवनशैली, दैनिक चुनौतियों और

मूलभूत आवश्यकताओं की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने पेयजल संकट, सड़क सुविधा के अभाव, बच्चों की शिक्षा में आने वाली कठिनाइयों तथा वृद्धा पेंशन से वंचित पात्र हितग्राहियों की समस्याओं को प्रमुखता से रखा। साथ ही क्षेत्र में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को भी गंभीर सामाजिक चुनौती बताया। एनएसएस टीम ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को जिला प्रशासन तक पहुंचाकर समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। महाविद्यालय प्रबंधन ने भी पण्डो जनजाति के सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

करेले की खेती ने बदली तकदीर धान से सात गुना अधिक हुई आय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी पारंपरिक धान की खेती तक सीमित रहने वाले किसान दीपक आज अपने क्षेत्र में उद्यानिकी खेती की नई मिसाल बन चुके हैं। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत मिली तकनीकी सहायता और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर उन्होंने न केवल अपनी आय में कई गुना वृद्धि की है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हैं।

जिले के महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत ग्राम बंसुलीडीह निवासी प्रगतिशील किसान दीपक ने वर्ष 2025-26 में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत सब्जी क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम से जुड़कर करेला उत्पादन की शुरुआत की। उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी एक हेक्टेयर सिंचित भूमि पर आधुनिक तकनीकों के साथ खेती की नई राह चुनी।

दीपक बताते हैं कि करेला उत्पादन में ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से उन्हें अपेक्षा से बेहतर परिणाम मिले। इन तकनीकों के कारण फसल की गुणवत्ता सुधरी, उत्पादन लागत नियंत्रित रही और उपज में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई।

पहले वे अपनी भूमि पर धान की खेती करते थे, जिससे सालाना लगभग 42 हजार रुपये का

लाभ प्राप्त होता था। उन्होंने करेला की व्यावसायिक खेती अपनाई। उन्हें प्रति एकड़ लगभग 18 टन करेला उत्पादन प्राप्त हुआ। बाजार में करेला का औसत मूल्य 30 रुपये प्रति किलोग्राम मिलने से उनकी आय में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई।

बेहतर उत्पादन और अनुकूल बाजार मूल्य के कारण उन्हें करीब 2.95 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। यह आय उनकी पूर्व की खेती से कई गुना अधिक है। दीपक का कहना है कि उद्यानिकी खेती ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। बढ़ी हुई आमदनी से परिवार का जीवन स्तर बेहतर हुआ है।

वृद्धजनों और दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 केवल शिकायतों के निराकरण का मंच नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी बन रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार जिलेभर में आयोजित समाधान शिविरों में वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर प्रशासन ने संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित शिविरों के दौरान पात्र हितग्राहियों को वॉकर, वॉकिंग स्टिक और डिजिटल श्रवण यंत्र वितरित किए गए। इन उपकरणों के माध्यम से चलने-

फिरने और दैनिक गतिविधियों में आने वाली कठिनाइयों को कम करने का प्रयास किया गया। धरमजयगढ़, लैलूंगा, खरसिया और रायगढ़ विकासखंडों में आयोजित शिविरों में अनेक वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक सामग्री प्रदान की गई। तारापुर में आयोजित शिविर का एक भावनात्मक दृश्य लोगों के बीच चर्चा का विषय बना, जब चलने-फिरने में असमर्थ एक हितग्राही को जनप्रतिनिधियों ने मंच से उतरकर स्वयं वॉकर और वॉकिंग स्टिक उपलब्ध कराई।

शिविरों में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा प्रोत्साहन, सिविल सेवा प्रोत्साहन और दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन जैसी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने कहा कि इनसे उनका जीवन अधिक सुगम होगा और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। सुशासन तिहार के समाधान शिविर शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और त्वरित राहत उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बने हैं।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से बदल रही किसानों की तस्वीर

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना जशपुर जिले में सकारात्मक बदलाव ला रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कृषि-केंद्रित नीतियों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों को उन्नत तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज, सिंचाई सुविधाएं और कृषि विशेषज्ञों का निरंतर मार्गदर्शन मिल रहा है। इसका परिणाम यह है कि किसान अब कम लागत में अधिक उत्पादन हासिल कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के किसान सुधीर लकड़ा इस परिवर्तन की एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरे हैं।

सीसीपीएल 2026 : बिलासपुर बुल्स ने 4 विकेट से दर्ज की जीत

सरगुजा टायगर्स ने बस्तर बायसंस को 18 रनों से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में खेले जा रहे छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) का रोमांच सिर चढ़कर बोल रहा है। प्रतियोगिता के पांचवे दिन खेले गए पहले मैच में सरगुजा टायगर्स ने बस्तर बायसंस को 18 रनों से हराया। वहीं दूसरे मैच में बिलासपुर बुल्स ने रायगढ़ लॉयन्स को चार विकेट से हरा दिया।

बता दें सीसीपीएल का तृतीय संस्करण का आयोजन 3 जून 2026 से 14 जून 2026 तक में किया जा रहा है। रविवार को पहला मैच सरगुजा टायगर्स तथा बस्तर बायसंस के मध्य खेला गया। बस्तर बायसंस ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। सरगुजा टायगर्स ने

पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 204 रनों का विशाल स्कोर बनाया। सरगुजा टायगर्स की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज आशुतोष सिंह ने 52 रनों का योगदान दिया, साथ ही कृतेश साहु ने 42 रन तथा आनंद राव ने 41 रन बनाये। बस्तर बायसंस की ओर से विजय यादव ने 3 विकेट प्राप्त किये।

205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बस्तर बायसंस ने 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 186 रन ही बना पायी। बस्तर बायसंस की ओर से राहुल प्रधान ने 75 रन तथा अनुज तिवारी ने 50 रन बनाये। सरगुजा टायगर्स की ओर से वासुदेव बरेथ ने 3 विकेट, स्नेहिल चडडा तथा हर्ष यादव ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। सरगुजा टायगर्स ने 18 रनों से मैच जीत लिया। वासुदेव बरेथ प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

बिलासपुर बुल्स ने 4 विकेट से दर्ज की जीतः रविवार को दूसरा मैच बिलासपुर बुल्स तथा रायगढ लायंस के मध्य खेला गया। रायगढ लायंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। रायगढ लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 159 रनों का स्कोर बनाया।

रायगढ़ लायंस की ओर से आलोक साहु ने 43 रन तथा प्रारंभिक बल्लेबाज संगीत सोनी ने 39 रन बनाये। उनके अतिरिक्त कीवनूर छाबडा ने 24 रन बनाये। वहीं बिलासपुर बुल्स की ओर से रुद्र प्रताप ने 4 विकेट तथा मोहित राउत ने 2 विकेट प्राप्त किये।

160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर बुल्स 19 ओवरों में 6 विकेट खोकर 165 बनाकर मैच जीत लिया। बिलासपुर बुल्स की ओर से विकल्प तिवारी ने 59 रन तथा प्रतिक यादव ने 24 रन बनाये। वहीं रायगढ लायंस की ओर से प्रवीण कुमार यादव ने 2 विकेट प्राप्त किये। बिलासपुर बुल्स ने 4 विकेट से मैच जीत लिया। रुद्र प्रताप देहारी प्लेयर ऑफद मैच रहे।

शादी के 45 वें दिन प्रेमी संग भागी युवती, रेलवे ट्रैक पर हुआ विवाद, ट्रेन की चपेट में आने से प्रेमी की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद में शादी के 45वें दिन दुल्हन अपने बॉयफ्रेंड के साथ ससुराल से भाग निकली। 6 जून की रात ग्राम परसोदा में युवक बाइक लेकर ससुराल पहुंचा। बिना किसी को बताए दोनों घर से निकल गए। करीब 20 किलोमीटर दूर रेल पटरी के पास पहुंचे। वहां दोनों के बीच झगड़ा हो गया। जब प्रेमिका ने शादी से मना किया तो बॉयफ्रेंड ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। उसे बचाने कूदी गर्लफ्रेंड घायल हो गई। पटरी पर इसी अवस्था में उसने डायल 112 में कॉल कर पुलिस को घटना की जानकारी भी दी।

मामला बालोद थाना क्षेत्र का है। दोनों इंस्टाग्राम पर दोस्त बने थे, उनके बीच ढाई साल से अफेयर था। युवक भी शादीशुदा था। घायल महिला का अस्पताल में इलाज जारी है।

जानिए पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक, गर्लफ्रेंड का नाम मोनिका खरे (23) है, जबकि बॉयफ्रेंड का नाम मिथलेश ठाकुर (28), जो ग्राम भीमपुरी (डौंडीलोहारा) का रहने वाला था, वह पेशे से ड्राइवर था। कांकेर जिले के ग्राम कोरतरा की रहने वाली मोनिका की शादी 22 अप्रैल 2026 को ग्राम परसोदा (जगन्नाथपुर) निवासी टीकम कुमार खरे से हुई थी। शादी के महज 45 दिन बाद शनिवार (6 जून) की रात करीब 1 बजे वह बॉयफ्रेंड मिथलेश ठाकुर के साथ बाइक पर सवार होकर घर से भाग गई। दोनों करीब 20 किलोमीटर दूर ग्राम दैहान स्थित रेलवे अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक के पास पहुंचे। जहां दोनों के बीच काफी देर तक बातचीत और झगड़ा होता रहा।

इसी दौरान मिथलेश मोनिका पर शादी कर साथ रहने का दबाव बना रहा था। मोनिका उसे रेलवे पटरी से दूर ले गई, लेकिन कुछ देर बाद वह फिर पटरी पर जाकर बैठ गया। ट्रेन पास आने पर मोनिका मिथलेश को पटरी से हटने के लिए कहती रही। इसके बावजूद वह वहां से नहीं हटा।

घबराई मोनिका उसे खींचकर हटाने की कोशिश करने लगी, तभी दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए। मिथलेश के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोनिका भी गंभीर रूप से घायल हो गई। मोनिका ने किसी तरह डायल-112 पर कॉल कर हादसे की जानकारी दी और मदद मांगी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक वह बेहोश हो चुकी थी। पुलिस ने उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया।

स्टेशन के आसपास पत्नी को तलाशता रहा पति

इधर, नवविवाहिता के पति टीकम कुमार खरे ने बताया कि शनिवार तड़के करीब 2:30 बजे उनकी नींद खुली तो पत्नी घर पर नहीं मिली। पहले उन्हें लगा कि वह आसपास कहीं गई होगी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर उन्होंने परिजनों के साथ उसकी तलाश शुरू कर दी। गांव और आसपास के रास्तों में खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। करीब 3 बजे पत्नी ने फोन उठाया और रेलवे ट्रैक पर हादसा होने की जानकारी दी। शुरुआती सूचना के आधार पर वह परिजनों के साथ लाटाबोड़ स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में पत्नी को तलाशते रहे। इसी दौरान उन्हें पुलिसकर्मियों का फोन आया, जिससे पता चला कि दैहान क्षेत्र के रेलवे ट्रैक पर दुर्घटना हुई है। सूचना मिलते ही रिश्तेदार जिला अस्पताल पहुंचे। वहां मिथलेश का शव भी रखा हुआ था, लेकिन उस समय वे उसकी पहचान नहीं कर सके। वहीं गंभीर रूप से घायल मोनिका को प्राथमिक उपचार के बाद राजनांदगांव रेफर किया गया। वर्तमान में उसका इलाज राजनांदगांव के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

शादीशुदा था बॉयफ्रेंड, इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

बालोद थाना प्रभारी शिशुपाल सिन्हा ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि मृतक मिथलेश और मोनिका की पहचान करीब ढाई साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच दोस्ती गहरी होती गई और उनका संपर्क लगातार बना रहा।

मिथलेश ठाकुर शादीशुदा था और उसकी एक बेटी भी है। वह पहले डौंडीलोहारा क्षेत्र में हाईवा ड्राइवर के रूप में काम करता था। करीब एक माह पहले उसने यह काम छोड़ दिया था और इन दिनों घर का ट्रैक्टर चला रहा था।

आधी रात सड़कों पर उतरी दुर्ग पुलिस, नशेड़ी वाहन चालकों से वसूला जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने शनिवार की रात को शहर के मुख्य चौक चौराहों पर विशेष जांच अभियान चलाया। यह अभियान नशे में वाहन चलाने वालों पर प्रभारी कार्रवाई के लिए चलाया गया। इस दौरान नशे में वाहन चलाने वाले 15 वाहन चालक पकड़े गए जिन पर न्यायालय द्वारा 12,000 से 15,000 तक का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। वाहन जांच के दौरान संदिग्ध वाहनों की डिक्की एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं की भी सघन जांच कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा जिले भर में विशेष अभियान चलाकर नशे की स्थिति में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की गई।

इसी कड़ी में 6 जून 2026 को रात्रि 10:00 बजे से 01:00 बजे तक दुर्ग जिले के सभी अनुविभागीय क्षेत्रों में फिक्स पॉइंट स्थापित कर विशेष वाहन जांच अभियान संचालित किया गया। इस दौरान यातायात पुलिस एवं थाना पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा ब्रिथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से वाहन चालकों की जांच की गई। जांच के दौरान कुल 15 वाहन चालक शराब सेवन करने के उपरांत वाहन चलाते पाए गए। सभी के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए वाहनों को जब्त कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

न्यायालय द्वारा संबंधित वाहन चालकों पर 12,000 से 15,000 तक का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। वाहन जांच के दौरान संदिग्ध वाहनों की डिक्की एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा बिंदुओं की भी जांच की गई। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करना तथा दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना रहा।

उक्त अभियान में यातायात पुलिस दुर्ग एवं जिले के समस्त थाना पुलिस स्टाफद्वारा समन्वित रूप से कार्य करते हुए प्रभावी वाहन जांच एवं वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि शराब सेवन करने के पश्चात किसी भी स्थिति में वाहन न चलाएं।

नशे की स्थिति में वाहन चलाना स्वयं एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। जिले में इस प्रकार की सघन जांच एवं वैधानिक कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

पुलिस शिकायत का बदला लेने साले ने जीजा के घर लगाई में आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। पारिवारिक विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया जब पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से नाराज एक युवक ने अपने ही जीजा के घर को आग के हवाले कर दिया। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 6 जून की है। पीड़ित अपने मोहल्ले में बैठा हुआ था, तभी उसका साला रिस्ता नेताम शराब के नशे में वहां पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की और गाल पर नुकीली वस्तु से हमला कर उसे घायल कर दिया। मारपीट की शिकायत दर्ज कराने के लिए पीड़ित चौकी चिखली पहुंचा। इसी दौरान आरोपी ने गुस्से में आकर उसके घर में आग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान आरोपी रिस्ता गोंड़ (27), निवासी ग्राम बोरी, चौकी चिखली को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

कोरबा पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष मुसाफिर चेकिंग अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पुलिस अधीक्षक कोरबा के निर्देशन में जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी रखने हेतु विशेष मुसाफिर चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का संचालन प्रशिक्षु उप निरीक्षकों द्वारा किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किराए के मकानों, लॉज, ढाबों एवं सार्वजनिक स्थानों पर ठहरे बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया।

अभियान के दौरान बाहर से आकर निवास कर रहे व्यक्तियों के आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र एवं अन्य वैध पहचान पत्रों की जांच की गई। साथ ही उनके निवास, कार्यस्थल एवं आगमन के उद्देश्य के संबंध में जानकारी एकत्रित की गई। सत्यापन के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित व्यक्तियों की पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है।

पुलिस द्वारा ऐसे व्यक्तियों के संबंध में एसएस रोल तैयार किए जा रहे हैं तथा आवश्यकता अनुसार उनके मूल थाना एवं जिला से आपराधिक रिकॉर्ड एवं चरित्र सत्यापन संबंधी जानकारी मंगाई जाएगी। जिन व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं, उन्हें कड़ी चेतावनी देते हुए वैधानिक कार्रवाई की जानकारी दी गई तथा अनावश्यक रूप से जिले में भ्रमण अथवा ठहराव न करने की हिदायत दी गई।

कोरबा पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन एवं निगरानी की यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। आमजन से अपील की गई है कि अपने आसपास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल 112 को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नाबालिग लड़की से रेप, 2 महीने की प्रेग्नेंट: पेट दर्द से हुआ खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 15 साल की नाबालिग से 2 युवकों ने अलग-अलग समय पर रेप किया है। दोनों को उससे प्यार था। जब वह 2 महीने की प्रेग्नेंट हुई तो परिवार वालों को इसकी जानकारी हुई, जिसके बाद थाने में शिकायत की गई। हालांकि, बच्चा किसका है अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है।

FIR के बाद पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इससे पहले दोनों एक दूसरे से परिचित नहीं थे। मामला गादीरास थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, लड़की की उम्र करीब 15 साल है। उसने कक्षा 8वीं तक की पढ़ाई की है। फिलहाल पढ़ाई छोड़कर घर में ही रहती थी। करीब सालभर पहले इसकी पहचान जग्गावरम गांव निवासी मड़कम हिंगा और सुकमा के रहने वाले राहुल सोड़ी से सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। दोनों गांव में खेती किसानी का काम करते थे।

पुलिस के मुताबिक, लड़की दोनों युवकों से बातचीत करती थी। दोनों ने इसे प्यार के जाल में फंसाया। फिर अलग-अलग समय पर लड़की इनसे मिलती थी। दोनों ने शादी और प्यार का झांसा देकर उससे रेप किया। हालांकि, दोनों युवक एक दूसरे से पहले से परिचित नहीं थे। ढाई महीने पहले नाबालिग के पेट में अचानक दर्द हुआ। परिवार वाले उसे हॉस्पिटल लेकर गए। जहां जांच में उसके 2 महीने की प्रेग्नेंट होने की जानकारी हुई। परिवारजनों ने नाबालिग से पूछताछ की। उसने दोनों लड़कों के बारे में जानकारी दी और बताया कि दोनों ने अलग-अलग टाइम पर उससे संबंध बनाए थे। 3 जून को परिवार वालों ने गादीरास थाने में मामले की शिकायत की। पुलिस ने स्नढ्ढक्रदर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

मड़कम हिंगा उर्फ मड़कम अर्जुन, निवासी ग्राम जग्गावरम, भेज्जी थाना क्षेत्र राहुल सोड़ी उर्फ रूपेश सोड़ी, निवासी सुकमा।

गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 44 किलो गांजा सहित अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए मेचका क्षेत्र में 44 किलोग्राम गांजा के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे सहित वाहन, मोबाइल और नकदी समेत कुल लगभग 15.02 लाख रुपये की संपत्ति जप्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों, शराब, जुआ एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से ओडिशा और महाराष्ट्र सीमा से जुड़े क्षेत्रों में अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क पर प्रभावी निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में थाना मेचका पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लाल रंग की हुंडई आई-20 कार (क्रमांक जी.जे-03-पी.डी-5152) में अवैध गांजा भरकर भवानीपटना (ओडिशा) से धमतरी की ओर लाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन को रोककर तलाशी ली, जिसमें 44 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे उक्त गांजा ओडिशा से गुजरात ले जाकर बिक्री करने की योजना बना रहे थे। उनके पास से गांजा परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले।

जप्त सामग्री में 44 किलोग्राम गांजा (कीमत लगभग 8.80 लाख रुपये), हुंडई आई-20 कार (6 लाख रुपये), तीन मोबाइल फोन और नगदी 7,500 रुपये शामिल हैं। कुल जप्त संपत्ति की कीमत लगभग 15.02 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान समीर खमीसा सिंधी (32 वर्ष), निवासी मोरवी (गुजरात) और मोहम्मद रफीक (25 वर्ष), निवासी जामनगर (गुजरात) के रूप में हुई है।

धमतरी पुलिस ने बताया कि पिछले छह सप्ताह में सीमावर्ती क्षेत्रों में की गई लगातार कार्रवाइयों में गांजा तस्करी के कई बड़े मामलों का खुलासा हुआ है, जिनमें करोड़ों रुपये की संपत्ति जप्त की गई है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी सख्ती और निरंतरता के साथ जारी रहेगा।

तेज रफ्तार बनी काल: होटल की दीवार से टकराई अनियंत्रित बाइक, एक की मौत, दूसरा घायल

कोरबा। जिले के अमलडीहा में एक बार फिर तेज रफ्तार का जानलेवा रूप देखने को मिला है। अमरकंटक से जमनीपाली की ओर आ रही एक तेज रफ्तार हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक होटल की दीवार से जा टकराई।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 12 बीएस 6267 पर सवार होकर दो लोग अमरकंटक से जमनीपाली (कोरबा) की ओर आ रहे थे। जैसे ही वे अमलडीहा के पास पहुंचे, बाइक की गति अत्यधिक होने के कारण चालक वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित मोटरसाइकिल सीधे सड़क किनारे स्थित श्याम होटल की दीवार से जा टकराई। चश्मदीदों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।

खास खबर

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौके पर मौत

रायपुर । राजधानी में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शंकर नगर इलाके में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। हादसा बर्गर किंग के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान लाखेनगर निवासी उदय रगड़े के रूप में हुई है। वह अपने काम से शंकर नगर क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टक्कर के बाद युवक सड़क पर दूर जा गिरा और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए मेकाहारा अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सेवा सहकारी समिति में 15 लाख रुपये से अधिक के धान एवं बारदाना गबन मामले में प्रभारी गिरफ्तार

दुर्ग। थाना धमधा पुलिस ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित रौंदा में शासकीय धान एवं बारदाना के गबन मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए समिति प्रभा री को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवा सहकारी समिति रौंदा में आकस्मिक जांच एवं भौतिक सत्यापन के दौरान शासकीय धान एवं बारदाना की बड़ी मात्रा में कमी पाई गई थी। यह जांच खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के संयुक्त दल द्वारा की गई थी।जांच प्रतिवेदन के अनुसार खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में समिति द्वारा कुल 73,952.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया था। भौतिक सत्यापन में 560.28 क्विंटल धान एवं 2103 नग नया बारदाना कम पाया गया, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 15,08,161 रुपये आंकी गई। जांच के आधार पर थाना धमधा में अपराध क्रमांक 136/2026 के तहत धारा 316(5), 318(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान गवाहों के कथन एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर समिति प्रभारी जगदीश कुमार नवरंगे (60 वर्ष), निवासी पेंड्रावन, थाना धमधा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई।

रायगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात अभियान के तहत रायगढ़ पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में कुल 29.50 लीटर देशी, अंग्रेजी एवं महुआ शराब तथा नकदी रकम बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब, गांजा, नशीले पदार्थों के खिलाफसख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 06 जून 2026 को थाना जूटमिल, चौकी खरसिया एवं थाना छाल पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने काशीराम चौक के पास कार्रवाई करते हुए आरोपी सतीश भटपहरे (21 वर्ष), निवासी गांधी नगर, रायगढ़ को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से देशी एवं अंग्रेजी शराब सहित कुल 13.500 बल्क लीटर शराब तथा 200 रुपये नकद बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफआबकारी एक्ट की धारा 34(2), 59(क) के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

आदतन शराब विक्रेता गिरफ्तार, 17 पौवा शराब जप्त

राजनांदगांव। थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफकार्रवाई करते हुए एक आदतन आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से देशी प्लेन शराब की 17 पौवा बोतलें जब्त की गई हैं, जिनकी कुल मात्रा 3.060 बल्क लीटर एवं कीमत लगभग 1360 रुपये बताई गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेण्डर किरों के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। दिनांक 06 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिलने पर राम नगर स्थित बिजली ऑफिस के पास दबिश देकर पुलिस ने आरोपी डोमेन्द्र लोन्हारे (25 वर्ष) घेराबंदी कर पकड़ा।

खास खबर

काष्ठकला शिल्पी इंदुमती ने बस्तर की कला को दिलाई नई पहचान

जगदलपुर। सुशासन तिहार 2026 के दौरान उलनार में आयोजित समाधान शिविर में बकावंड विकासखंड के ग्राम कोहकापाल की काष्ठकला शिल्पी इंदुमती राणा ने अपनी प्रेरणादायक सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि कैसे मेहनत, कौशल और शासन की योजनाओं के सहयोग से उन्होंने आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल की और लखपति दीदी बनने का गौरव प्राप्त किया। इंदुमती ने बताया कि उनके पति काष्ठकला के पारंगत शिल्पी हैं। पति से प्रेरित होकर उन्होंने भी इस शिल्प को सीखना शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने दक्षता हासिल की और इसे अपने रोजगार का माध्यम बना लिया। बिहान समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए उन्हें देश के विभिन्न प्रतिष्ठित आयोजनों में भाग लेने का अवसर मिला। सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में भी उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया। काष्ठकला को सराहना मिली और उनके उत्पादों की अच्छी बिक्री हुई।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार : आवेदन 31 जुलाई तक

बिलासपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाईन आवेदन https//awards.gov.in पोर्टल के माध्यम से 31 जुलाई 2026 तक किये जा सकते है। यह पुरस्कार उन बच्चों और युवाओं को दिया जाता है जिन्होंने खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला एवं संस्कृति तथा नवाचार जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हों और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला हो। आवेदक की आयु 31 जुलाई 2026 तक 5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। आवेदक भारतीय नागरिक हो व भारत में निवास करता हो। आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे।

विश्व सायकल दिवस पर उपमुख्यमंत्री साव ने सायकल चलाकर दिया पर्यावरण व सेहत का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव विश्व सायकल दिवस पर आज जगदलपुर में आयोजित सन्डे ऑन सायकल कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान युवाओं के साथ सायकिलिंग और जुम्बा का आनंद लिया। उन्होंने कार्यक्रम में लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, फिट रहने व पर्यावरण को बचाने सायकल चलाने के लिए प्रेरित किया। सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय और कलेक्टर आकाश छिकारा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में खुद सायकल चलाकर पर्यावरण संरक्षण और फिट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सायकल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। नियमित सायकल चलाने से शरीर स्वस्थ रहता है। दैनिक जीवन में सायकल का उपयोग हमें फिट और ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है।

श्री साव ने कहा कि सायकल पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक बचत का भी एक सरल माध्यम है। अधिक से अधिक सायकल का उपयोग कर हम स्वच्छ वातावरण बनाने में

योगदान दे सकते हैं। सायकल हमारे लिए हर दृष्टि से उपयोगी है। हमें जितना संभव हो सके, सायकल का उपयोग करना चाहिए।

कोरबा में भी निकली रैली

जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग, कोरबा द्वारा 'रविवार साइकिल के नाम' अभियान के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

रैली का शुभारंभ एसईसीएल वालीबॉल मैदान से हुआ, जो मुड़ापार बाजार चौक, डीएवी विद्यालय मार्ग, हेलिपैड, घंटाघर तथा हनुमान मंदिर (सुभाष ब्लॉक कॉलोनी) होते हुए जी.एम. परिसर के मार्ग से पुनः एसईसीएल वॉलीबॉल मैदान पहुंचकर संपन्न हुई।

साइकिल रैली में पुलिस विभाग से रक्षित निरीक्षक अनंत राम पैकरा, नगर पालिक निगम सचिव रामेश्वर सिंह, वॉलीबॉल संघ से सुशील गर्ग, स्काउट-गाइड प्रभारी उत्तरा कैवर्त सहित खेल संघों के पदाधिकारी, स्काउट-गाइड, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर निगम, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, स्कूली बच्चे, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 250 लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के 55वें केंद्रीय अधिवेशन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

समृद्ध, संगठित और शिक्षित समाज ही रख सकती है सशक्त राष्ट्र की आधारशिला : साय

- छाती-झूरानवागांव सड़क, नवीन हायर सेकेंडरी भवन, नगर पंचायत और नवा रायपुर में सामाजिक भवन को भूमि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संगठित, शिक्षित और जागरूक समाज ही मजबूत राष्ट्र निर्माण की वास्तविक शक्ति होता है। समाज जितना सशक्त होगा, राष्ट्र उतना ही प्रगतिशील, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी जिले के ग्राम छाती स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित चन्द्रनाहू (चंद्राकर) कुर्मी-क्षत्रिय समाज के 55वें केंद्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस गौरवशाली समाज के केंद्रीय अधिवेशन में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी-क्षत्रिय समाज समृद्ध परंपराओं, सामाजिक चेतना, संगठन क्षमता और उत्कृष्ट मूल्यों का वाहक है। यह वही समाज है जिसने देश को छत्रपति शिवाजी महाराज और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महान व्यक्तित्व दिए हैं, जिनके आदर्श आज भी राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कोई भी समाज शिक्षा, संगठन, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के बल पर निरंतर आगे बढ़ता है। चन्द्रनाहू समाज ने कृषि, शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, सामाजिक सेवा और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज की नई पीढ़ी शिक्षा, तकनीकी दक्षता और नवाचार के माध्यम से विकास की नई इबारत लिख रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे अधिवेशन केवल सामाजिक आयोजन नहीं होते, बल्कि समाज को संगठित, जागरूक और सशक्त बनाने के प्रभावी मंच होते हैं। जब समाज के लोग एकत्र होकर विचार-विमर्श करते हैं, अनुभव साझा करते हैं और नई पीढ़ी के लिए दिशा निर्धारित करते हैं, तब सामाजिक एकता और विकास की नई संभावनाएं जन्म लेती हैं।

उन्होंने समाज द्वारा प्रशासनिक सेवाओं, शिक्षा, खेल, व्यवसाय तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभावान व्यक्तियों और विद्यार्थियों के सम्मान की सराहना करते हुए कहा कि सम्मान की संस्कृति समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्टता को बढ़ावा देती है। ऐसे प्रयास युवाओं को आगे बढ़ने और नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

> इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छाती से झूरानवागांव तक सड़क निर्माण, ग्राम छाती को भविष्य में नगर पंचायत का दर्जा प्रदान करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने, नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण तथा समाज के लिए नवा रायपुर में सामाजिक भवन हेतु भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार बनती है। राज्य सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और शिक्षा के विस्तार के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति का अध्ययन करने और निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। नई औद्योगिक नीति में युवाओं, उद्यमियों और निवेशकों के लिए अनेक प्रोत्साहन प्रावधान किए गए हैं। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने समाज की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहर पर आधारित पुस्तक 'अद्भुत श्री तुलसी चरितायणम्' का विमोचन भी किया। समाज के केंद्रीय अध्यक्ष दिनेश चंद्राकर ने समाज का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक अजय चंद्राकर, विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, लालबहादुर चंद्रवंशी, पूनम चंद्राकर, समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

दिसम्बर तक दंतेवाड़ा को भारी वाहनों के दबाव से मिलेगी मुक्ति, बन जाएगा बायपास सड़क और पुल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने गीदम से बांगाबाड़ी तक बन रहे 10.6 किमी लंबे दंतेवाड़ा बायपास सड़क और इस मार्ग में डंकिनी नदी पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने पुल निर्माण में देरी पर ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों पर गहरी नाराजगी जताई। श्री साव ने इस बायपास सड़क पर जल्दी आवाजाही शुरू करने सड़क और पुल दोनों के काम आगामी दिसम्बर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। विधायक श्री चैतराम अटामी भी इस दौरान मौजूद थे।

दंतेवाड़ा शहर को भारी वाहनों और ट्रैफिक के दबाव से बचाने गीदम से बांगाबाड़ी तक 26 करोड़ 78 लाख रुपए की लागत से 10.6 किमी लंबा बायपास बनाया जा रहा है। इस बायपास सड़क पर पड़ने वाले डंकिनी नदी पर 9 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से 161 मीटर लंबा उच्च स्तरीय पुल भी बनाया जा रहा है। सड़क का अब तक 85 प्रतिशत और पुल का 60 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। इस बायपास मार्ग के चालू हो जाने के बाद दंतेवाड़ा में प्रवेश किए बिना भारी वाहन एवं अन्य ट्रैफिक बैलाडीला से गीदम और जगदलपुर आ-जा सकेंगे।

तेंदूपत्ता संग्राहकों के मेधावी बच्चों को विधानसभा अध्यक्ष ने दिया छात्रवृत्ति का चेक

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता अब नई प्रेरणा बन रही है। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में स्पीकर हाउस राजनांदगांव में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ये बच्चे अपनी नैसर्गिक क्षमता, प्रतिभा और आत्मविश्वास का शानदार परिचय दे रहे हैं।

छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत सम्मानित विद्यार्थियों से संवाद करते हुए डॉ. सिंह ने उन्हें जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और इंजीनियर बनने के साथ-साथ शिक्षक, प्रोफेसर, वकील तथा अन्य क्षेत्रों में भी सेवाएं देकर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। प्रयास आवासीय विद्यालय और एजुकेशन हब जैसी पहलों ने वनांचल के अनेक बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाई है।

कार्यक्रम में बालिका नम्रता नेताम और प्रेरणा साहू ने डॉक्टर बनने का सपना साझा किया, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने का संदेश दिया। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति और शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

वनमंडलाधिकारी आयुष जैन ने बताया कि 2025 में जिला यूनियन राजनांदगांव के 448 छात्र-छात्राओं को 60.81 लाख रुपये की छात्रवृत्ति दी। वर्ष 2026 में जिले के 18,412 संग्राहक परिवारों ने 16,517 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया, जिसके लिए 9.08 करोड़ रुपये पारिश्रमिक निर्धारित किया गया है। यह पहल वनांचल के बच्चों के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

खजुरी में 'खेती बचाओ अभियान' का आयोजन

बिलासपुर। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत विकासखंड तखतपुर के ग्राम पंचायत खजुरी में खेती बचाओ अभियान के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक कृषि संभाग बिलासपुर आरके राठौर ने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत कम होती है, मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है तथा पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा होती है। उन्होंने किसानों को नील हरित काई (बीजीए) उत्पादन एवं उपयोग का प्रशिक्षण दिया तथा 10 पैकेट निःशुल्क वितरित किए। कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गीत शर्मा ने जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, आच्छादन एवं वाफसा जैसी तकनीकों की जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक लाभ बताए।

मुख्यमंत्री ने कायाकिंग-केनोईंग स्पर्धा के मस्कट 'पहाड़ी मैना' का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में 36वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर कायाकिंग-केनोईंग प्रतियोगिता के मस्कट 'पहाड़ी मैना' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल अनुशासन, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास का सशक्त आधार हैं। प्रदेश में खेल अधोसंरचना को मजबूत बनाने के साथ-साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग-केनोईंग एसोसिएशन द्वारा भारतीय कायाकिंग-केनोईंग संघ एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में 36वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर कायाकिंग-केनोईंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 12 से 14 जून 2026 तक नवा रायपुर स्थित सेंध लेक में आयोजित होगी।

यह एक ओलम्पिक खेल है, जिसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अर्जित किए हैं। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी राज्य को मिलना प्रदेश के खेल इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, भारतीय कायाकिंग-केनोईंग महासंघ एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग-केनोईंग एसोसिएशन के सहसचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी सहित छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीए छात्र सम्मेलन में एक हजार से अधिक सीएम विद्यार्थी हुए सम्मिलित

सीए केवल सलाहकार ही नहीं, मार्गदर्शक भी - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट केवल खातों और कर संबंधी सलाह देने वाले पेशेवर नहीं हैं, बल्कि वे व्यवसायों को सही दिशा दिखाने वाले भरोसेमंद मार्गदर्शक भी हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवसाय की सफलता में लेखांकन की भूमिका रीढ़ की हड्डी की तरह होती है और बदलते समय के साथ इसकी जिम्मेदारियां पहले से कहीं अधिक व्यापक हो गई हैं।

राज्यपाल रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सीए छात्र सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की रायपुर शाखा और सेंट्रल इंडिया चार्टर्ड एकाउंटेंट्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन (सिकासा) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। देशभर से आए एक हजार से अधिक सीए विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राज्यपाल ने कहा कि देश के विकास और सुचारु प्रशासन के लिए कर राजस्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से अपील की कि वे पात्र नागरिकों को कर भुगतान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग कर चुकाना चाहते हैं, लेकिन कई बार जटिल प्रक्रियाएं उनके सामने कठिनाई पैदा करती हैं। विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कर प्रणाली को अधिक सरल और सुगम बनाया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत में रोजगार सृजन का सबसे बड़ा आधार छोटे व्यवसाय और उद्यमी हैं। इसलिए व्यापार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि लघु और मध्यम उद्योग देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि तकनीक का उपयोग सकारात्मक और रचनात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई मानव मस्तिष्क की जगह नहीं ले सकता, बल्कि उसे बेहतर बनाने और कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से करने का माध्यम बन सकता है।

युवाओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डिजिटल लत व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित करती है। उन्होंने बताया कि दुनिया के कई देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के मोबाइल उपयोग को लेकर विशेष प्रतिबंध और दिशानिर्देश बनाए गए हैं।

सीए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस पेशे की सबसे बड़ी ताकत विश्वास और गोपनीयता है। ग्राहक का भरोसा केवल पेशेवर की कार्यशैली, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों पर निर्भर करता है। यही विश्वास एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। इसलिए उन्हें पूरे उत्साह और समर्पण के साथ अपने क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करना चाहिए, जो किसी व्यक्तिगत लाभ या लेन-देन से जुड़ा न हो, बल्कि समाज हित में हो।

शिकायत के बाद सड़कों की जांच करने बीजापुर पंहुचे प्रमुख अभियंता

बीजापुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जिले के बीजापुर में पीएमजीएसवाए योजनाओं के अंतर्गत निर्मित एवं प्रगतिरत सड़को की गुणवत्ता जांच की गई। प्रमुख अभियंता केके कटारे, अधीक्षण अभियंता मनोज रात्रे सहित विभागीय अमले ने विभिन्न निर्माण स्थलों पर पहुंचकर सड़कों का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सड़क निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता , तकनीकी मापदंडों, सड़क की मोटाई , सतह की मजबूती जल निकासी व्यवस्था तथा सुरक्षा मानको की विस्तार से जांच की गई है। भोपालपटनम विकासखं में उलूर से केरपे की भी विभागीय टीम ने गुणवत्ता जांच की। सड़कों की सतह, मजबूती एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य नहीं कराये जाने पर ठेकेदार को गुणवत्तापूर्वक पूर्ण निर्माण उपरांत ही भुगतान करने के आदेश दिए गए हैं।

कतार बोनी और नैनो डीएपी से कम बारिश में भी मिलेगी भरपूर पैदावार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मानसून पूर्वानुमानों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष औसत वर्षा 90 प्रतिशत रहने की संभावना है। जून माह में भी अपेक्षाकृत कम बारिश होने के संकेत हैं। कृषि विशेषज्ञ किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि कम वर्षा की स्थिति में धान की सीड ड्रिल से कतार बोनी किसानों के लिए लाभकारी विकल्प साबित हो सकती है। इस पद्धति में बीज निर्धारित गहराई और समान दूरी पर बोए जाते हैं, जिससे अंकुरण बेहतर होता है तथा पौधों की जड़ें अधिक गहराई तक विकसित होती हैं। मजबूत जड़ प्रणाली मिट्टी में उपलब्ध सीमित नमी का प्रभावी उपयोग करती है, जिससे सूखे जैसी परिस्थितियों में भी फसल अपेक्षाकृत सुरक्षित रहती है।

कतार बोनी से पौधों के बीच प्रतिस्पर्धा कम होती है। परिणामस्वरूप उपलब्ध पानी, पोषक तत्व और सूर्य प्रकाश का संतुलित उपयोग होता है। साथ ही निराई-गुड़ाई और खरपतवार नियंत्रण भी आसान हो जाता है, जिससे मिट्टी की नमी लंबे समय तक बनी रहती है।

कृषि विभाग किसानों को नैनो डीएपी के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है। इसमें मौजूद फास्फोरस के सूक्ष्म कण पौधों द्वारा आसानी से अवशोषित किए जाते हैं। इससे जड़ों का विकास तेज होता है, प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होती है और पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता बढ़ती है। कम नमी में भी पौधे पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाते हैं।

खरीफ 2026 में कतार बोनी, मेड़बंदी, वर्षा जल संरक्षण तथा नैनो डीएपी, नैनो यूरिया और जैव उर्वरकों के संतुलित उपयोग को अपनाने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950